Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 220
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार,10 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

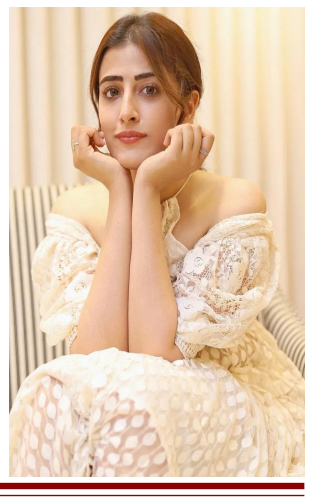

2 खो-खो में दुबौलिया, हड़ही और निपनिया ने मारी

4 गैस का गीजर वापस पैक करते समय इन बातों का

7 नूपुर ने पति स्टेबिन बेन के जन्मदिन पर शेयर की

समय सीमा के अंदर हो समस्याओं का निस्तारण: सीएम

बच्चों को सीख रूकिताबें पढ़ो, सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग न करो

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेआज जनता दर्शन में लोगों की समस्याये सुनी और त्वरित समाधान के अफसरों को निर्देश दिए। प्रदेश भर से आए पीड़ितों के पास मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचे। प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि सरकार सभी की उचित समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चिंत होकर घर जाइए समस्याओं का निस्तारण होगा। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समय सीमा के अंदर किया जाए। दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण यूपीसीडा व जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है। सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। उद्यमियों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।कासगंज से आए पीड़ित ने सीएम के समक्ष पुलिस से जुड़ी शिकायत रखी। पीड़ित ने कार्रवाई पर देरी की शिकायत की। सीएम योगी ने पुलिस अधीक्षक को मामले का संज्ञान लेते हुए समस्या के समयबद्ध निराकरण का निर्देश दिया। एक प्रकरण पारिवारिक विवाद से भी जुड़ा आया। अवैध कब्जे की शिकायत पर सीएम ने कहा कि ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने पीड़ित को आश्वस्त किया कि नियमानुसार कार्रवाई होगी। जनता दर्शन में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। एक बच्चे के पास पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ो। सोशल मीडिया का प्रयोग उतना करो, जितनी आवश्यकता है। अत्यधिक प्रयोग घातक है। सीएम ने मोबाइल का प्रयोग भी कम करने की सलाह दी।

महिला शक्ति को धामी सरकार की सौगात, जेंडर बजट बढ़ाया

देहरादून : धामी सरकार ने इस साल भी महिलाओं को सौगात दी। इस सत्र में भी जेंडर बजट को बढ़ाया गया है। धामी सरकार ने इस सत्र में जेंडर बजट बढ़ाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 16961.32 करोड़ का प्रावधा था जो कि इस बार बढ़ाकर 19692.02 करोड़ का प्रावधान किया गया। नारी सशक्तीकरण के लिए खुला पिटारा नन्दा गौरा योजनांतर्गत 220.00 करोड़ प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना के लिए47.78 करोड़मुख्यमंत्री बाल पोषण योजनांतर्गत 25.00 करोड़ मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजनांतर्गत 30.00 करोड़ मुख्यमंत्री महिला पोषण योजनांतर्गत 13.44 करोड़ मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजनांतर्गत 15.00 करोड़ मुख्यमंत्री बाल एवं महिला बहुमुखी विकास निधि हेतु- 08.00 करोड़ निराश्रित विधवाओं की पुत्रियों के विवाह हेतु 05.00 करोड़ मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत 3.76 करोड़ मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना हेतु 05.00 करोड़ राज्य में प्रसूता के लिए ईजा-बोई शगुन योजना हेतु समग्र रूप से 122 करोड़ मुख्यमंत्री महिला सतत आजीविका योजनांतर्गत 02.00करोड़ महिला स्पोर्ट्स कॉलेज चंपावत का निर्माण- 10.00 करोड़ हर साल बढ़ा जेंडर बजट उत्तराखंड में 2021-22 में कुल बजट का लगभग 12 प्रतिशत जेंडर बजट था, जो 2022-23 में 13.77 प्रतिशत किया गया। इसके बाद 2023-24 में जेंडर बजट 14 प्रतिशत के आसपास रहा। जबकि 2024-25 में 16 प्रतिशत आवंटित हुआ। 2025-26 में कुल 1,01,175 करोड़के बजट में जेंडर बजट का हिस्सा करीब 17 प्रतिशत था।

आधे रास्ते से क्यों वापस लौटी इंडिगो फ्लाईट, दिल्ली-मैंचेस्टर के लिए भरी थी उड़ान

नईदिल्ली। इंडिगो की दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही उड़ान को हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंध के कारण आधे रास्ते से वापस लौटना पड़ा। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या 6ई 033 ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से ब्रिटेन के मैनचेस्टर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन अंतिम समय में हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों के कारण उसे रास्ते से दिल्ली वापस लौटना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, विमान में 250 से ज्यादा लोग सवार थे। प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिम एशिया में और आसपास के इलाकों में मौजूदा हालात के कारण ऐसा हुआ है। उड़ानों की ट्रैकिंग करने वाली स्वतंत्र एजेंसी फ्लाइट रडार के अनुसार, बोइंग 787-9 विमान ने रविवार-सोमवार की रात 12.43 बजे दिल्ली हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। विमान दोपहर बाद 2.07 बजे वापस दिल्ली में उतरा। उसने बताया है कि विमान इथोपिया और एरिट्रिया की सीमा के पास से दिल्ली के लिए वापस मुड़ गया।

धरना स्थल पर भाजपा बांट रही पर्चे, कार्यकताओं से कहा, पकड़कर पुलिस को सौंपें:ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यहां धरनास्थल पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी एजेंसियोंश द्वारा पर्चे बांटे जाने का आरोप लगाते हुए सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे ऐसे लोगों को पकड़ें और पुलिस के हवाले कर दें। मतदाता सूची के विशेष गहण परीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ पिछले तीन दिनों से शहर के बीचों-बीच धर्मतला में धरना दे रही ममता ने राज्य की मंत्री शशि पांजा को निर्देश भी दिया कि वह इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं। वह स्पष्टतया उन पर्चों का जिक्र कर रही थीं, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 14 मार्च को कोलकाता में होने वाली रैली का प्रचार किया गया था और जिन्हें कथित तौर पर वहां वितरित किया गया था। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा, उन्हें (भाजपा और इनकी एजेंसियों को) किसी अन्य राजनीतिक दल के कार्यक्रमों में इस तरह के पर्चे बांटने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पकड़ो और पुलिस के हवाले कर दो। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश कर रही है।

अंतिम मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ याचिका, सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों के खिलाफ एक नई याचिका पर मंगलवार को विचार करने को सहमत हुआ। यह याचिका उन लोगों ने दायर की है जिनके नाम चुनाव आयोग ने हटा दिए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने बताया कि यह याचिका पहले के मतदाताओं के नाम हटाने से संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने अधिवक्ता की दलीलें सुनीं। अधिवक्ता ने कहा कि ये वे मतदाता हैं जिन्होंने पहले मतदान किया था, लेकिन अब उनके दस्तावेज नहीं लिए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि वे न्यायिक अधिकारियों के निर्णयों पर अपील में नहीं बैठ सकते। हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता ने अपील को सुनवाई योग्य बताया, जिसके बाद पीठ ने मंगलवार को सुनवाई करने का फैसला किया। 24 फरवरी को शीर्ष अदालत ने एसआईआर अभ्यास के लिए पश्चिम बंगाल के सिविल जजों की तैनाती की अनुमति दी थी। इसके अतिरिक्त 250 जिला जज और झारखंड व ओडिशा के न्यायिक अधिकारी भी तैनात किए गए थे। इनका काम मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का सामना कर रहे 80 लाख दावों और आपत्तियों को निपटाना था। कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल ने 22 फरवरी को एक पत्र में बताया था कि 250 जिला जजों को भी इन दावों को निपटाने में करीब 80 दिन लगेंगे। 2002 की मतदाता सूची से वंशानुक्रम को जोड़ने में तार्किक विसंगतियां पाई गई हैं। इनमें माता-पिता के नाम का बेमेल होना शामिल है। साथ ही, मतदाता और उसके माता-पिता की उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से अधिक होना भी एक विसंगति है। मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा कि अगर प्रत्येक न्यायिक अधिकारी प्रतिदिन 250 दावों को निपटाता है, तो भी इस प्रक्रिया में लगभग 80 दिन लगेंगे। पश्चिम बंगाल एसआईआर की समय सीमा 28 फरवरी थी।

मिडिल ईस्ट संकट पर राज्यसभा में बोले विदेश मंत्री

भारत शांति और कूटनीति का पक्षधर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर सोमवार को कहा कि भारत तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की ओर लौटने का समर्थक है और क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर देता है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी ओर से राज्यसभा में दिए गए बयान में कहा कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर सैन्य हमले करने और तेहरान के अमेरिकी ठिकानों तथा इजराइल पर जवाबी हमलों के बाद भारत सरकार के लिए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार जैसे राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। जयशंकर ने कहा, भारत शांति के पक्ष में है और संवाद व कूटनीति की ओर लौटने की अपील करता है। हम तनाव कम करने, संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति ही इस संकट को हल करने का एकमात्र ठोस रास्ता है। विपक्षी सदस्यों ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया। आसन से चर्चा की अनुमति न मिलने पर वे सदन से बहिर्गमन कर गए। जयशंकर ने कहा कि सरकार क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर करीब से नजर रख रही है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तथा देश के रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इजराइल-अमेरिका ने ईरान पर हमले किए और तेहरान ने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। यह संघर्ष 28 फरवरी से चल रहा है। इस दौरान खाड़ी देशों पर हमले हुए और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। जयशंकर ने कहा कि मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की एक मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और खाड़ी देशों में रहने वाले बड़े भारतीय समुदाय की सुरक्षा की समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि लगभग एक करोड़ भारतीय खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं, जबकि कुछ हजार भारतीय ईरान में अध्ययन या रोजगार कर रहे हैं। "यह देखते हुए क्षेत्रीय स्थिरता भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पश्चिम बंगाल में मुख्य चुनाव आयुक्त का विरोध

कोलकाता में लगे गो बैक के नारे और दिखाया गया काला झंडा

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने पहुंची चुनाव आयोग की फुल बेंच को सोमवार सुबह उस वक्त असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गृह इलाका कालीघाट में भारी विरोध झेलना पड़ा। सोमवार सुबह ज्ञानेश कुमार राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के साथ कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे। उनके आगमन से पहले ही प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह मंदिर के बाहर जमा हो गया। जैसे ही मुख्य चुनाव आयुक्त मंदिर से बाहर निकले, प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाकर गो बैक के नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों का मुख्य आरोप मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर था। उनका दावा है कि एसआइआर प्रक्रिया के नाम पर मतदाता सूची से जानबूझकर कई वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और इस प्रक्रिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। इस भारी हंगामे और तनावपूर्ण माहौल के बीच ज्ञानेश कुमार ने संयम बनाए रखा। उन्होंने प्रदर्शन को लेकर मीडिया के सामने कोई भी टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया और पूजा के बाद चुपचाप गंतव्य के लिए रवाना हो गए। बता दें कि चुनाव आयोग की टीम आज से राज्य प्रशासन और विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें शुरू करने वाली है, जिससे पहले इस विरोध प्रदर्शन ने राज्य का सियासी पारा बढ़ा दिया है।

ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीते दिनों निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को पहले इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि वे लोगों के वोट से प्रधानमंत्री बने थे।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने नियुक्त किए केंद्रीय पर्यवेक्षक, विजय शर्मा को मिली बिहार की जिम्मेदारी

रायपुर। राज्यसभा की रिक्त सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। देश के 10 राज्यों की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान प्रस्तावित है। इस चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विभिन्न राज्यों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। पार्टी नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा को बिहार में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा को भी पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए चुनाव होना है, जहां कुल छह उम्मीदवार मैदान में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पूर्व विधायक शिवेश कुमार तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल ने एडी सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है। पांचवीं सीट को लेकर मुकाबला रोचक हो गया है, जिसके चलते चुनाव की स्थिति बन गई है।

हार नहीं मानेंगे मुकेश मल्होत्रा, विधायकी बचाने के लिए जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

ग्वालियर। मध्य प्रदेश की विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव ग्वालियर हाईकोर्ट ने शून्य (रद्द) घोषित कर दिया है। कोर्ट ने बीजेपी प्रत्याशी रामनिवास रावत के हक में फैसला दिया है। वहीं इस फैसले के खिलाफ मुकेश मल्होत्रा ने सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। विजयपुर विधानसभा मामले में हाईकोर्ट द्वारा कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का कार्यकाल शून्य घोषित किए जाने के बाद उन्होंने फैसले का सम्मान किया है। लेकिन कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और न्याय की गुहार लगाएंगे। उनके वकील ने पंजाब केसरी से बात करते हुए कहा है कि वो देश के उच्चतम न्यायालय को दरवाजा खटखटाएंगे। मुकेश मल्होत्रा के वकील प्रतीक विसोनोई ने पंजाब केसरी से बात करते हुए कहा कि वो चाहेंगे।

कोच्चि सम्मेलन में राजग के विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च को यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करेंगे, जिसमें लगभग 50 हजार लोगों के भाग लेने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोदी कलूर में जवाहरलाल अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित होने वाले सम्मेलन में भाग लेंगे। भाजपा के राज्य महासचिव एस. सुरेश ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राजग आगामी विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के लिए श्मोदी के साथ बदलाव लाएं, विकसित केरलम बनाएं नारा तय किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के बुधवार को यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचने की उम्मीद है, जहां से वह अखिल भारतीय केरल धीवरा सभा के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने के लिए हेलीकॉप्टर से मरीन ड्राइव जाएंगे। सुरेश ने कहा कि इसके बाद वह कलूर स्टेडियम में सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होंगे और वह विभिन्न सरकारी पहलों की शुरूआत करेंगे। नेता ने कहा, यहां से, अपराह्न 1.00 बजे से 1.30 बजे के बीच उनके राजग सम्मेलन में पहुंचने की उम्मीद है। आधिकारिक कार्यक्रम में भाग लेने के समय प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया जाएगा, और एक रोडशो भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रोडशो में पार्टी के 10,000 से अधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। यह रोडशो स्टेडियम के प्रवेश द्वार से शुरू होकर सरकारी कार्यक्रम के स्थल तक जाएगा।

शराब घोटाला और केजरीवाल वाले केस में सीबीआई को बड़ी राहत, ट्रायल कोर्ट के आदेश पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

नईदिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आज शराब घोटाला और अरविंद केजरीवाल वाले केस में सीबीआई को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने जांच में खामियों के लिए सीबीआई अधिकारी की जांच कराने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर पर फिलहाल रोक लगा दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा है कि जब तक हाईकोर्ट इस मामले में कोई फैसला नहीं सुनाता, तब तक ट्रायल कोर्ट ईडी वाले केस में निर्णय न सुनाए। इस केस में अगली सुनवाई 16 मार्च को होनी है। दिल्ली हाईकोर्ट आज सीबीआई की उस अपील पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें दिल्ल के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और कथित शराब पॉलिसी स्कैम से जुड़े करप्शन केस में बाकी सभी 21 आरोपियों को बरी करने को चुनौती दी गई है। जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा ने सीबीआई की दलीलें सुनने के बाद केजरीवाल समेत सभी 23 आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले में अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। सीबीआई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाईकोर्ट में कहा कि यह करप्शन का साफ मामला है। रिश्वत ली गई और मीटिंग हुईं इसके फोरेंसिक सबूत हैं। उन्होंने कहा कि मैंने किसी एजेंसी को इतने बारीकी से सबूत इकट्ठा करते नहीं देखा। मैं कोई बढ़ा-चढ़ाकर बयान नहीं दे रहा हूं। मैं इसे सही साबित करना चाहता हूं। गौरतलब है कि राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने 27 फरवरी को केजरीवाल समेत सभी 23 आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया था। जज जितेंद्र सिंह ने फैसला सुनाते हुए जांच में कमियों के लिए सीबीआई को कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी और कहा था कि सीबीआई की चार्जशीट में कई कमियां हैं।

मार्ग परिवर्तन तथा शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा गोरखपुर कैण्ट-भटनी रेल खण्ड पर स्थित देवरिया सदर-नूनखार स्टेशनों के मध्य ऑटोमेटिक सिगनलिंग कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन तथा शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा।

निरस्तीकरण-

-55056/55055 गोरखपुर-छपरा-गोरखपुर सवारी गाड़ी 11 एवं 12 मार्च,2026 को निरस्त रहेगी।

-15103 गोरखपुर-बनारस एक्सप्रेस 11 मार्च,2026 को निरस्त रहेगी।

-15104 बनारस-गोरखपुर एक्सप्रेस 12 मार्च,2026 को निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तन-

-बरौनी से 11 एवं 12 मार्च,2026 को चलने वाली 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग सीवान-भटनी-गोरखरपुर कैण्ट के स्थान पर परिवर्तित मार्ग सीवान-थावे-कप्तानगंज- गोरखपुर कैण्ट के रास्ते चलाई जायेगी।

-दरभंगा से 11 एवं 12 मार्च,2026 को चलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग सीवान-भटनी-गोरखरपुर कैण्ट के स्थान पर परिवर्तित मार्ग सीवान-थावे-कप्तानगंज- गोरखपुर कैण्ट के रास्ते चलाई जायेगी।

-कटिहार से 11 मार्च,2026 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग सीवान-भटनी-गोरखरपुर कैण्ट के स्थान पर परिवर्तित मार्ग सीवान-थावे-कप्तानगंज- गोरखपुर कैण्ट के रास्ते चलाई जायेगी।

-नई दिल्ली से 10 एवं 11 मार्च,2026 को चलने वाली 02564 नई दिल्ली-बरौनी विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग गोरखरपुर कैण्ट-भटनी-सीवान के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोरखपुर कैण्ट-कप्तानगंज-थावे-सीवान के रास्ते चलाई जायेगी।

-नई दिल्ली से 10 एवं 11 मार्च,2026 को चलने वाली 02570 नई दिल्ली-दरभंगा विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग गोरखरपुर कैण्ट-भटनी-सीवान के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोरखपुर कैण्ट-कप्तानगंज-थावे-सीवान के रास्ते चलाई जायेगी।

-लखनऊ जं0 11 मार्च,2026 को चलने वाली 15034 लखनऊ जं0-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग गोरखरपुर कैण्ट-भटनी-सीवान के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोरखपुर कैण्ट-कप्तानगंज-थावे-सीवान के रास्ते चलाई जायेगी।

-पाटलिपुत्र से 11 मार्च,2026 को चलने वाली 15033 पाटलिपुत्र-लखनऊ जं0 एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग सीवान-भटनी-गोरखरपुर कैण्ट के स्थान पर परिवर्तित मार्ग सीवान-थावे-कप्तानगंज-गोरखपुर कैण्ट के रास्ते चलाई जायेगी।

विशेष- परिवर्तित मार्ग से चलाई जा रही गाड़ियों का 02 मिनट का अस्थाई ठहराव कप्तानगंज, पड़रौना एवं थावे स्टेशनों पर दिया जायेगा।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-

-लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 10 एवं 11 मार्च,2026 को चलने वाली 20103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-भटनी एक्सप्रेस गोरखपुर में यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी गोरखपुर से भटनी के मध्य निरस्त रहेगी।

-भटनी से 11 एवं 12 मार्च,2026 को चलने वाली 20104 भटनी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गोरखपुर से चलाई जायेगी। यह गाड़ी भटनी से गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी।

-अहमदाबाद से 10 मार्च,2026 को चलने वाली 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस भटनी में अपनी यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी भटनी से गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 11 मार्च,2026 को चलने वाली 19490 गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस भटनी से चलाई जायेगी। यह गाड़ी गोरखपुर से भटनी के मध्य निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर कैण्ट से 11 एवं 12 मार्च,2026 को चलने वाली 15129 गोरखपुर कैण्ट-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस भटनी में यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी भटनी से गोरखपुर कैण्ट के मध्य निरस्त रहेगी।

-वाराणसी सिटी से 11 एवं 12 मार्च,2026 को चलने वाली 15130 वाराणसी सिटी-गोरखपुर कैण्ट एक्सप्रेस भटनी से चलाई जायेगी। यह गाड़ी गोरखपुर कैण्ट से भटनी के मध्य निरस्त रहेगी।

-सीवान से 11 एवं 12 मार्च,2026 को चलने वाली 55041 सीवान-गोरखपुर कैण्ट सवारी गाड़ी भटनी में यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी भटनी से गोरखपुर कैण्ट के मध्य निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर कैण्ट से 11 एवं 12 मार्च,2026 को चलने वाली 55042 गोरखपुर कैण्ट-सीवान सवारी गाड़ी भटनी से चलाई जायेगी। यह गाड़ी भटनी से गोरखपुर कैण्ट से भटनी के मध्य निरस्त रहेगी।

साधारण द्वितीय श्रेणी के 05 तथा एस.एल.आर.के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेल प्रशासन द्वारा होली त्यौहार पर यात्री जनता की मांग पर पूर्व से चलाई जा रही 04014/04013 आनन्द विहार टर्मिनस-लौकहा बाजार-आनन्द विहार टर्मिनस वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन आनन्द विहार टर्मिनस से 10 से 15 मार्च,2026 तक तथा लौकहा बाजार से 11 से 16 मार्च,2026 तक 06 अतिरिक्त फेरों के लिये निम्नवत बढ़ाया जा रहा है। 04014 आनन्द विहार टर्मिनस-लौकहा बाजार होली विशेष गाड़ी 10 से 15 मार्च,2026 तक प्रतिदिन आनन्द विहार टर्मिनस से 15.40 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 16.22 बजे, संशोधित समयानुसार मुरादाबाद से 19.05 बजे, बरेली से 20.22 बजे, दूसरे दिन लखनऊ से 01.00 बजे, गोण्डा से 04.20 बजे, गोरखपुर से 07.35 बजे, कप्तानगंज से 08.35 बजे, सिसवा बाजार से 09.15 बजे, बगहा से 10.37 बजे, हरिनगर से 11.07 बजे, नरकटियागंज से 11.35 बजे, सिकटा से 11.58 बजे, रक्सौल से 12.33 बजे, बैरगनिया से 13.32 बजे, सीतामढ़ी से 15.10 बजे, शीशो से 16.35 बजे, सकरी से 17.32 बजे तथा झंझारपुर से 18.35 बजे छूटकर लौकहा बाजार 20.15 बजे पहुंचेगी। 04013 लौकहा बाजार-आनन्द विहार टर्मिनस होली विशेष गाड़ी 11 से 16 मार्च,2026 तक प्रतिदिन लौकहा बाजार से 21.30 बजे प्रस्थान कर झंझारपुर से 23.05 बजे, सकरी से 23.45 बजे,दूसरे दिन शीशो से 00.40 बजे, सीतामढ़ी से 03.00 बजे, बैरगनिया से 03.30 बजे, रक्सौल से 05.10 बजे, सिकटा से 05.37 बजे, नरकटियागंज से 06.55 बजे, हरिनगर से 07.17 बजे, बगहा से 07.58 बजे, सिसवा बाजार से 10.44 बजे, कप्तानगंज से 11.20 बजे, गोरखपुर से 12.50 बजे, गोण्डा से 15.25 बजे, लखनऊ से 18.00 बजे, बरेली से 22.12 बजे, तीसरे दिन मुरादाबाद से 00.05 बजे तथा गाजियाबाद से 02.50 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनस 03.40 बजे पहुंचेगी।

2026 तक प्रतिदिन 10 अतिरिक्त फेरों के लिये निम्नवत बढ़ाया जा रहा है

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही 05140/05139 प्रयागराज रामबाग-अयोध्या कैंट-प्रयागराज रामबाग वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन प्रयागराज रामबाग से 11 से 20 मार्च, 2026 तक तथा अयोध्या कैंट से 12 से 21 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन 10 अतिरिक्त फेरों के लिये निम्नवत बढ़ाया जा रहा है। 05140 प्रयागराज रामबाग-अयोध्या कैंट होली विशेष गाड़ी 11 से 20 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन प्रयागराज रामबाग से 18.05 बजे प्रस्थान कर ज्ञानपुर रोड से 18.55 बजे, माधोसिंह से 19.12 बजे, बनारस से 20.10 बजे, वाराणसी सिटी से 20.35 बजे, सारनाथ से 20.52 बजे, औड़िहार से 21.20 बजे, दुल्लहपुर से 21.55 बजे, मऊ से 22.35 बजे, बेलथरा रोड से 23.05 बजे, सलेमपुर से 23.28 बजे, भटनी से 23.55 बजे, दूसरे दिन देवरिया सदर से 00.25 बजे, चौरी चौरा से 00.51 बजे, गोरखपुर से 02.00 बजे, खलीलाबाद से 02.45 बजे, बस्ती से 03.12 बजे, बभनान से 03.40 बजे, मनकापुर से 04.08 बजे, कटरा से 04.39 बजे तथा अयोध्या धाम जं. से 05.17 बजे छूटकर अयोध्या कैंट 05.35 बजे पहुँचेगी। 05139 अयोध्या कैंट-प्रयागराज रामबाग होली विशेष गाड़ी 12 से 21 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन अयोध्या कैंट से 08.35 बजे प्रस्थान कर अयोध्या धाम जं. से 08.45 बजे, कटरा से 09.04 बजे, मनकापुर से 09.35 बजे, बभनान से 10.03 बजे, बस्ती से 10.35 बजे, खलीलाबाद से 11.03 बजे, गोरखपुर से 12.10 बजे, चौरी चौरा से 12.47 बजे, देवरिया सदर से 13.20 बजे, भटनी से 13.45 बजे, सलेमपुर से 14.00 बजे, बेलथरा रोड से 14.24 बजे, मऊ से 15.00 बजे, दुल्लहपुर से 15.24 बजे, औड़िहार से 15.58 बजे, सारनाथ से 16.40 बजे, वाराणसी सिटी से 17.03 बजे, बनारस से 17.35 बजे, माधोसिंह से 18.10 बजे, ज्ञानपुर रोड से 18.25 बजे छूटकर प्रयागराज रामबाग 19.30 बजे पहुँचेगी।

वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 282 एवं शयनयान श्रेणी में 34 बर्थ उपलब्ध हैं

गोरखपुर, रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 09 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है। -लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 15 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 65 बर्थ तथा 22 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 310 बर्थ उपलब्ध हैं। -मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 96 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 202 बर्थ तथा 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 331 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 127 बर्थ उपलब्ध हैं। -बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 18 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 332 बर्थ उपलब्ध हैं। -लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 51 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 141 बर्थ उपलब्ध हैं।

260 दिन में एसीपी समेत आठ हटे, चार थानेदार 45 दिन भी नहीं संभाल सके थाना

वाराणसी। वाराणसी जिले में 260 दिन में एसीपी समेत आठ हटे और चार थानेदार 45 दिन भी थाना नहीं संभाल सके। सबसे खराब ट्रैक रिकॉर्ड चौबेपुर थाने का रहा। महिला अपराध के प्रति पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति के बावजूद महिला अपराध, दुर्व्यवहार व गोतस्करी जैसे मामलों को रोकने में पुलिसकर्मियों ने लापरवाही बरती। 260 दिनों के अंदर आठ पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हुई, जिसमें एसीपी से लेकर थाना प्रभारी और कांस्टेबल शामिल रहे। सबसे खराब ट्रैक रिकॉर्ड चौबेपुर थाने का रहा। सात महीने के अंदर चार थाना प्रभारी समेत पांच लोगों के खिलाफ पुलिस आयुक्त ने कार्रवाई की और उन्हें थाने से हटा दिया। चौबेपुर थाने में हाल ही में दुष्कर्म के मामले में पुलिस अधिकारियों ने सही जानकारी नहीं उपलब्ध कराई और मामले को गुमराह करने की शिकायत पर चौकी प्रभारी अनिल कुमार को निलंबित कर दिया गया। साथ ही थाना प्रभारी इंद्रेश कुमार को लाइन हाजिर किया गया। चौबेपुर में देखा जाए तो 210 दिनों के अंदर चार थाना प्रभारी केवल 45 दिनों तक ही थाने पर टिक पाए।वहीं, रंगभरी एकादशी पर काशी श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर गेट नंबर चार के पास महिला पत्रकार से दुर्व्यवहार हुआ। इस मामले में एसीपी सुरक्षा अंजनी कुमार राय को हटा दिया गया। साथ ही बटुक के साथ मारपीट के आरोप में गाजीपुर से ड्यूटी पर आए कांस्टेबल संजय यादव को सुरक्षा पॉइंट से हटाकर विभागीय कार्रवाई के लिए गाजीपुर पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा गया। महिला उत्पीड़न, छेड़खानी, दुष्कर्म और दुर्व्यवहार जैसे मामलों में समय पर कार्रवाई न करने या पीड़ितों की शिकायतों को नजरअंदाज करने पर पुलिस आयुक्त ने गंभीरता से कार्रवाई की। महिला अपराध और पशु तस्करी जैसे मामलों में पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति है। पुलिस आयुक्त ने पिछले 12 महीनों में छह बार बैठक कर थानों को स्पष्ट निर्देश दिए, लेकिन कुछ थानों ने इन निदेर्शों का पालन नहीं किया और लगातार लापरवाही बरती। प्रकरण सामने आने के बाद दोषी पाए गए पुलिसकर्मियों को हटाया या निलंबित किया गया। 260 दिनों के अंदर हुई कार्रवाई और तबादला रंगभरी एकादशी पर महिला पत्रकार से हुए दुर्व्यवहार पर एसीपी और बटुक से मारपीट के आरोप में कांस्टेबल हटे। चौबेपुर में महिला से दुष्कर्म के मामले में लापरवाही बरतने पर चौकी इंचार्ज अनिल कुमार निलंबित हुए, थाना प्रभारी इंद्रेश कुमार लाइन हाजिर हुए। फायरिंग के मामले में जांच में लापरवाही बरतने पर चांदपुर चौकी प्रभारी अंकुर कुशवाहा को निलंबित किया गया। बीते साल 21 जून को अपराध रोकने में विफल रहे थाना प्रभारी जगदीश कुशवाहा को लाइन हाजिर किया गया। 11 जुलाई को छितौना कांड को लेकर चौबेपुर थाना प्रभारी रविकांत मलिक को लाइन हाजिर किया गया। पशु तस्करी जैसे मामले को रोकने में विफल रहे अजीत कुमार वर्मा को लाइन हाजिर किया गया, हालांकि वर्तमान में शिवपुर थाने का प्रभार उनके पास है। युवती से दुष्कर्म के प्रकरण में अधिकारियों को सही फीडबैक नहीं देने के मामले में चौबेपुर थाना प्रभारी इंद्रेश कुमार को लाइन हाजिर किया गया, साथ ही चौकी प्रभारी अनिल कुमार को निलंबित किया गया। क्या बोले अधिकारी महिला अपराध के मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सभी थानों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर महिला अपराध से जुड़े मामलों में ढिलाई पाए जाने पर संबंधित अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ तत्काल विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

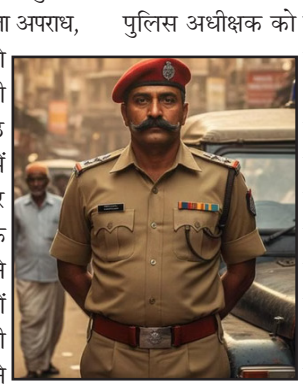

मोहनसराय में रखा जाएगा दो मंजिला मकान जितना ऊंचा और ट्रक से लंबा शंख

वाराणसी। वीडीए की ओर से शहर के तिराहों और चौराहों को विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में मोहनसराय में दो मंजिला मकान जितना ऊंचा और ट्रक से लंबा शंख रखा जाएगा। यह शहर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। वाराणसी शहर में चल रहे चौराहों के सुंदरीकरण अभियान के तहत प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर भव्य शंख चौराहा विकसित किया जा रहा है। दो मंजिला मकान जितनी ऊंचाई और बड़े ट्रक जितनी लंबाई वाला विशाल शंख यहां स्थापित किया जाएगा। इस शंख के आसपास छह पिलर होंगे, जिनके ऊपर भगवान शिव के अस्त्र-शस्त्र और उनका वाहन दशार्या जाएगा। यह काशी में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) की ओर से शहर के तिराहों और चौराहों को नए स्वरूप में विकसित करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर भव्य शंख चौराहा बनाया जा रहा है। इस चौराहे के गोलंबर के बीच विशाल शंख स्थापित किया जाएगा, जिसकी ऊंचाई करीब 6 मीटर और लंबाई 8 मीटर होगी। आकार के लिहाज से यह लगभग दो मंजिला मकान जितना ऊंचा और बड़े ट्रक जितना लंबा होगा। प्रोजेक्ट मैनेजर विनय कुमार ने बताया कि शंख का निर्माण लखनऊ में चल रहा है। इसे मकराना पत्थर से तैयार किया जा रहा है। इसे स्थापित करने के लिए करीब 15 मीटर का मजबूत प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। इस प्लेटफॉर्म के आसपास छह पिलर होंगे। इनमें डमरू-त्रिशूल, नंदी, फरसे के साथ त्रिशूल, शंख और नमस्ते करते हुए हाथ की आकृतियां शामिल होंगी। इससे चौराहा काशी की धार्मिक पहचान और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाएगा। इसके अलावा चौराहे को आकर्षक बनाने के लिए डेकोरेटिव पिलर, झरना और आधुनिक लाइटिंग की व्यवस्था भी की जा रही है, जिससे रात में इसकी भव्यता और निखर कर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि प्रयागराज से वाराणसी आने वाले श्रद्धालु इसी मार्ग से बड़ी संख्या में शहर में प्रवेश करते हैं। ऐसे में यह चौराहा काशी का प्रमुख प्रवेश द्वार बनकर उभरेगा। इस चौराहे के अलावा शहर के 50 से अधिक चौराहों का सुंदरीकरण कराया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर नंदी, त्रिशूल और अन्य प्रतीक चिह्न स्थापित किए जा चुके हैं। जेल रोड चौराहे पर हॉकी की आकृति भी बनाई गई है। हाल ही में हुई वीडीए बैठक में बरेका के सहयोग से कई चौराहों पर कार्य शुरू कराया गया है। वहीं पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई भी अपने-अपने मार्गों पर सुंदरीकरण के कार्य करा रहे हैं।

सफारी में गूंजी किलकारी शेरनी नीरजा ने चार शावकों को दिया जन्म

इटावा। सफारी पार्क में रविवार रात किलकारी गूंजी है। शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया है। उनकी निगरानी की जा रही है। निदेशक डॉ. अनिल पटेल ने बताया कि एशियाटिक बब्बर शेर कान्हा और शेरनी नीरजा की मेटिंग 18 नवंबर से 21 नवंबर 2025 के मध्य हुई थी। आईवीआरआई बरेली से शेरनी नीरजा की गर्भ ठहरने की पुष्टि होने के बाद उसे ब्रीडिंग सेंटर में शिफ्ट किया गया था। शेरनी नीरजा की संभावित प्रसव तिथि होली त्योहार के आसपास (तीन से आठ मार्च के बीच) थी। ऐसे में त्योहार पर भी अधिकारी और कर्मचारी सतर्क थे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शाम 08:25 बजे शेरनी नीरजा ने पहले शावक को जन्म दिया। इसके बाद 09:07 बजे दूसरे, 09:43 बजे तीसरे और 09:59 बजे चौथे शावक का जन्म दिया।

संक्षिप्त खबरें

खो-खो में दुबौलिया, हड़ही और निपनिया ने मारी बाजी

बस्ती। भुवनपुर बक्सर में चल रही दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण के साथ रविवार को संपन्न हुई। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुष चिकित्साधिकारी डॉ. वीके वर्मा और विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष नगर बाजार नीलम सिंह तथा प्रभाकर रंजन ओझा ने मेडल और शील्ड देकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। आयोजक डॉ. सुधीर कुमार और प्रधानाचार्य अविनाश प्रजापति ने आए हुए अतिथियों का बैज अलंकरण, माल्यार्पण और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यदि बच्चे अपनी रूचि के अनुसार कार्य क्षेत्र चुनें तो निश्चित रूप से जीवन में बहुत आगे जाएंगे। आरपी साइंस एकेडमी में आयोजित प्रतियोगिता में सब जूनियर बालक संवर्ग में दुबौलिया प्रथम, जेआरसी हड़ही द्वितीय, कंपोजिट विद्यालय नवली और कंपोजिट विद्यालय निपनिया की संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही। सीनियर बालक वर्ग में जेआरसी हड़ही प्रथम, दुबौलिया द्वितीय तथा डीआरसी हसीनाबाद और नौली की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। सब जूनियर बालिका वर्ग में कंपोजिट विद्यालय निपनिया प्रथम, डीआरसी हसीनाबाद द्वितीय और बीआरएस गढ़हा तथा आरपी साइंस एकेडमी की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। सीनियर बालिका वर्ग में पीएस स्पोर्ट्स प्रथम, जीआरसी हडही द्वितीय और हाजी मोहम्मद अमीन इंटर कॉलेज हरैया तथा साइंस अकादमी की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय घोषित की गईं। बस्ती खो-खो एसोसिएशन के सचिव राम सिंह ने आए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

डिग्री न पैमाना, फिर भी बन बैठे डॉक्टर, मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़

बस्ती। सफेद पोशाक और गले में आला लटकाए साधारण स्वास्थ्य कर्मी नर्सिंग होम खोलकर डॉक्टर बन गए हैं। मरीज क्या जाने, वह तो डॉक्टर समझ जांच कराने पहुंच जा रहा है। विभाग के इस ढिलाई का फायदा कथित दलाल और बिचौलिए उठा रहे। मरीजों को धड़ल्ले से हर मर्ज की दवा लिखकर मोटा कमीशन ले रहे हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार, जिगिना रोड पर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में यह खेल पुराना है। पूर्व में हुई जांच में इसका खुलासा भी हो चुका है, एक अन्य हॉस्पिटल में भी अप्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ और पंजीकरण में दर्ज चिकित्सक की गैर मौजूदगी जैसी अनियमितताएं उजागर हुईं थी, बावजूद इसके विभाग कार्रवाई नहीं कर सका। इन मामलों में विभाग ने केवल नोटिस जारी कर अपना कोरम पूरा कर लिया था। इसी का फायदा उठाकर कथित कर्मी डॉक्टर बनकर मरीजों को गुमराह कर रहे। इसी प्रकार ब्लॉक रोड स्थित एक अस्पताल ऐसा है जहां पर स्वास्थ्य विभाग का एक कर्मी खुद डॉक्टर बन एलोपैथी विधा में जांच, उपचार और दवा धड़ल्ले से लिख रहे हैं। कथित कर्मी ही यहां गुमराह करके मरीज भेजते हैं, जहां से उन्हें कमीशन भी मिलता है। यह मामला तो बानगी भर है। शहर से लेकर गांव तक कस्बों में बिना रजिस्ट्रेशन अस्पताल, पैथालॉजी सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। बिना डिग्री के कथित कर्मी अस्पताल खोल रखे हैं। हालत यह है कि ऐसे बिना पंजीकरण के संचालित होने वाले अस्पतालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जांच-दवा, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड से लेकर ऑपरेशन तक का धंधा खूब फल-फूल रहा है। कोई रोकटोक न होने से इनके हौसले भी बढ़ते जा रहे हैं। यदा-कदा विभागीय जांच में पकड़े भी गए तो इनके लिए चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है। क्योंकि, विभागीय कार्रवाई सिर्फ स्पष्टीकरण तलब करने तक ही सिमट कर खत्म हो जाती है।

हादसे में एंबुलेंस चालक की मौत

कुदरहा। मरीज को वाराणसी के बीएचयू में भर्ती कराकर लौट रही 108 एंबुलेंस रविवार की सुबह हादसे का शिकार हो गई। कैथी टोल प्लाजा के पास सड़क किनारे खड़े डंपर में एंबुलेंस पीछे से घुस गई। इससे चालक की मौत हो गई, जबकि ईएमटी गंभीर रूप से घायल हो गया। चालक की पहचान सुनील यादव (35) निवासी ग्राम कौलपुरा, थाना लालगंज, बस्ती के रूप में हुई, जो बलिया जिले के दुबहड़ सीएचसी में एंबुलेंस चालक पद पर कार्यरत थे। परिवार वालों ने बताया कि सुनील ईएमटी के साथ मरीज को लेकर वाराणसी स्थित बीएचयू गए थे और भर्ती कराने के बाद रविवार की सुबह करीब 4:20 बजे एंबुलेंस से सीएचसी दुबहड़ के लिए रवाना हुए। रास्ते में दोनों ने करीब एक घंटे विश्राम भी किया था। इसके बाद निकले तो सुबह लगभग 6:15 बजे कैथी टोल प्लाजा से करीब 500 मीटर पहले एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से जा घुसी।

महिला दिवस पर महिलाओं को किया गया पुरस्कृत

बस्ती। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बस्ती में विश्व महिला दिवस पर महिलाओं को सम्मानित किया गया। नाबार्ड की ओर से आरसेटी में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीसी एनआरएलएम आशा देवी ने महिलाओं से एवं प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि यह दिन याद दिलाता है कि जब एक महिला सशक्त होती है, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त होता हैं। डीडीएम नाबार्ड मनीष कुमार, शाखा प्रबंधक एसबीआई दक्षिण दरवाजा ने उद्यमी उर्मिला देवी और काजल तथा अंजू को स्मृति चिह्न भेंट देकर सम्मानित किया। पुष्पा गौतम ने आरसेटी बाजार में स्टॉल लगाकर लगभग सात हजार की आमदनी भी की। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक आरएन मौर्या, धीरज राय, मंजय सिंह, आशीष त्रिपाठी, मनोज कुमार मौजूद रहे।

कायस्थ सेवा ट्रस्ट की मंडल और जिला कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

बस्ती। कायस्थ सेवा ट्रस्ट मंडल और जिला कार्यकारिणी का विस्तार और शपथ ग्रहण चित्रगुप्त मंदिर में संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मंडल कार्यकारिणी में मोनू श्रीवास्तव को मंडल प्रभारी सिद्धार्थ नगर, डब्बू श्रीवास्तव को मंडल प्रभारी बस्ती व प्रकाश मोहन श्रीवास्तव को मंडल प्रभारी संतकबीरनगर बनाया गया। इसी प्रकार सर्वेश श्रीवास्तव को मंडल संयोजक, नवीन श्रीवास्तव को मंडल अध्यक्ष, आलोक श्रीवास्तव को मंडल महामंत्री, राहुल श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव व विक्रांत श्रीवास्तव को मंडल उपाध्यक्ष तथा कुलदीप श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव और गौरव श्रीवास्तव को मंडल सचिव बनाया गया। वहीं अंकुर श्रीवास्तव को संगठन में सलाहकार समिति का सदस्य बनाया गया।

जीआईसी में सामूहिक विवाह 12 मार्च को

बस्ती। श्रम विभाग की ओर से 12 मार्च को राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। श्रमिकों की बेटियों की शादी कराई जाएगी। कुल 200 जोड़े एक-दूसरे का हाथ थामेंगे। विभाग 85 हजार रुपये श्रमिकों के खाते में भेजेगा जबकि 15 हजार रुपये शादी के आयोजन में खर्च होगा।

प्रोजेक्ट गंगा से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल कर रही है। प्रोजेक्ट गंगा के तहत प्रदेश में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन और हिंदुजा ग्रुप की सहायक कंपनी वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के बीच एमओयू साइन किया गया। इस परियोजना के तहत अगले 2-3 वर्षों में 20 लाख से अधिक घरों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि न्याय पंचायत स्तर पर 8,000 से 10,000 स्थानीय युवाओं को डिजिटल सेवा प्रदाता के रूप में विकसित किया जाएगा। महिलाओं की लगभग 50 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने की योजना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार होने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित होंगे। परियोजना के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

होली मिलन समारोह में छाया उल्लास, फूलों की होली के साथ दिया प्रेम और भाईचारे का संदेश

■ ग्वालियर

शहर में रविवार को आयोजित होली मिलन समारोह में समाज के लोगों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लेते हुए फूलों और गुलाल की होली खेली। जिसमें महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने खूब मस्ती की। पूरे आयोजन के दौरान प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे का माहौल देखने को मिला।

व्यापार संघ थाटीपुर

व्यापार संघ थाटीपुर द्वारा 51 महिला व्यापारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान और सफल व्यापार संचालन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. करुणा सक्सेना, विशिष्ट अतिथि के रूप में

दुर्गेश्वरी क्षत्रिय महिला समिति

श्री दुर्गेश्वरी क्षत्रिय महिला समिति द्वारा होली मिलन एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने रंगों की खुशियों के साथ नारी शक्ति का सम्मान करते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक खेल और विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोनिका भदौरिया ने किया। कार्यक्रम में समय पर आने वालों में संगीता परिहार, अरुणा भदौरिया, सुषमा भदौरिया, शिल्पी राठौर और सीमा तोमर को सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता में अर्पणा तोमर, बबीता एस. तोमर, उषा एस. कुशवाहा और उषा चौहान प्रथम रहीं। द्वितीय स्थान पर अंजू सिंह, लक्ष्मी जादौन, सुषमा तोमर, संगीता भदौरिया, जान्हवी सज्जनवाल, साधना कुशवाहा, सोनम रघुवंशी, राखी सिकरवार, अल्पना भदौरिया और अर्चना भदौरिया रहीं। सांत्वना पुरस्कार कृष्णाकांता सिंह, रेखा भदौरिया और श्वेता सिसोदिया को दिए गए। वहीं कार्यकारी सदस्यों में नमिता परिहार, निशा जादौन, रंजना एस. राठौर और विनीता कुशवाहा के नाम शामिल रहे। इस अवसर पर विशेष रूप से रश्मि सिंह, विनीता कुशवाहा, निशा सिसोदिया, संगीता तोमर और मोनिका भदौरिया सहित अन्य मौजूद रहे।

श्री अग्रवाल महासभा

श्री अग्रवाल महासभा द्वारा जीवायएमसी में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं, युवा और बच्चों ने एक-दूसरे के साथ फूलों की होली खेली। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के अध्यक्ष सुरेश बंसल ने की। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जेसी गोयल, दिलीप अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, शैलेश जैन, शैलेन्द्र बंसल, अतुल अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, पूजा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल,ज्योति अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

प्राकृतिक रंगों से खेलना चाहिए होली

आर्य समाज मंदिर मुरार में रविवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां सुबह डॉ. सत्येंद्र शास्त्री ने प्रधान रामप्रकाश वर्मा व मंत्री सुरेंद्र राणा के संयोजन में सभी से नवसस्येष्टी वेदमंत्रों आहुतियां डलवाईं, फिर फूलों से होली खेली गई। उन्होंने बताया कि तिनकों की अग्नि में भूने हुए अधपके शमीधान्य चने, गेहूं की बाली की आहुति को होली कहते हैं। होली पर सभी अपनी बुराइयां छोड़ें। उन्होंने कहा कि होली फूलों और प्राकृतिक रंगों से खेलना चाहिए। रामप्रकाश वर्मा ने कहा कि आर्य समाज नवाचार करता है। इस अवसर पर सुशीला यादव, सुशीला उपाध्याय, सुनीता शर्मा को गुरुकुलीय स्नातक डॉ. सत्येंद्र शास्त्री, आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा व अशोक आर्य ने सम्मानित किया। संचालन मंत्री सुरेन्द्र राणा ने किया।

माधव बाल निकेतन

माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम में 200 किलो फूलों से होली खेली गई। संस्था के चेयरमैन नूतन श्रीवास्तव ने बताया कि वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा विशेष रूप से होली खेली गई। इस मौके पर आश्रम के बच्चे, बुजुर्ग और उपस्थित लोग झूमकर नृत्य करते नजर आए।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट द्वारा झांसी रोड बस स्टैंड के सामने होली मिलन समारोह मनाया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल सिंह तोमर ने कहा कि होली भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का पर्व है। उन्होंने कहा कि यूजीसी कानून समाज के एक बड़े वर्ग के अधिकारों और अवसरों को प्रभावित करने वाला है। इस मौके पर ममता भदौरिया, किरण भदौरिया, डॉ. मधु तोमर, कल्पना सिकरवार आदि उपस्थित रहे।

स्याद्वाद युवा क्लब : स्याद्वाद युवा क्लब द्वारा जैन छात्रावास परिसर होली मिलन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं का माला पहनाकर एवं चंदन का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। महिलाओं के लिए विशेष खेल का आयोजन किया गया, जिनमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। इस मौके पर हर्ष जैन, अमित जैन, गौरव जैन आदि उपस्थित रहे।

होली के रंगों से समरसता का भाव पैदा होता है : वाजपेयी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली, मध्य भारत प्रांत विभाग ग्वालियर एवं ग्रीन वुड पब्लिक हाई स्कूल थाटीपुर ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मध्य भारत प्रांत शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ग्वालियर विभाग संयोजक राजकुमार वाजपेयी, मुख्य अतिथि प्रांत कुटुंब प्रबोधन प्रमुख अशोक पाठक, विशेष अतिथि धीरेंद्र सिंह भदौरिया प्रांत संयोजक मध्य भारत प्रांत शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और विशिष्ट अतिथि पार्वतीबाई विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रीनवुड पब्लिक हाई स्कूल थाटीपुर की संचालक डॉ. किरण भदौरिया ने की। मुख्य वक्ता डॉ. श्री वाजपेयी ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की विकास यात्रा और होली मिलन समारोह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि होली के रंगों से समरसता का भाव पैदा होता है। अशोक पाठक ने उदाहरण देते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन राजकमल सिंह जादौन एवं आभार डॉ.बीपीएस जादौन ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रांतीय विषय संयोजक भारतीय भाषा मंच डॉ. वंदना सेन, बृजेश शुक्ला, डॉ. समीर भार्गव, राधेश वाजपेयी, डॉ. अभिषेक द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन का स्वास्थ्य शिविर 17 से, 137 चिकित्सक देंगे परामर्श

■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश शासन, श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन, रोटरी अंतर्राष्ट्रीय डिस्ट्रिक्ट 3053 के संयुक्त प्रयास से 8 दिवसीय रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन 17 मार्च से 24 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसका शुभारंभ 16 मार्च को शिवपुरी में होगा। स्वास्थ्य शिविर में ग्वालियर अंचल से 137 चिकित्सक और 100 से अधिक पैरामेडीकल स्टाफ भाग लेगा। शिविर के शुभारंभ समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, सामाजिक न्याय एवं बागवानी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह के आने की संभावना है। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय में रीजनल डायरेक्टर डॉ. नीलम सक्सेना एवं डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, सचिव डॉ. प्रदीप पाराशर, कोषाध्यक्ष उदित चतुर्वेदी के अलावा डीन राजमाता विजयाराजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज शिवपुरी डॉ. परमहंस, सीएमएचओ ग्वालियर डॉ. सचिन श्रीवास्तव, सीएमएचओ शिवपुरी डॉ. संजय ऋषिश्वर सिविल सर्जन शिवपुरी डॉ. बीएल यादव, कैंसर हॉस्पिटल के मुख्य न्यासी डॉ. बीआर श्रीवास्तव, बीआईएमआर अस्पताल के एक्जिक्यूटिव ट्रस्टी गोविन्द देवड़ा, कृष्ण बिहारी गोयल आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि रोटरी रीजनल मेडिकल मिशन में एम्स दिल्ली एवं भोपाल, अरविन्दो हॉस्पिटल इंदौर सहित देश के प्रतिष्ठित हॉस्पिटल से लगभग 250 चिकित्सक आ रहे हैं, जो 8 दिन तक मरीजों को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

खाटू श्याम रथ यात्रा का स्वागत

ग्वालियर। दीनदयाल नगर में रंग पंचमी के अवसर पर खाटू श्याम की रथयात्रा निकाली गई, जिसका भक्तों द्वारा श्रद्धा के साथ स्वागत किया गया। इस मौके पर 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने फूलों और गुलाल की वर्षा कर बाबा खाटू श्याम एवं निशान यात्रा का स्वागत किया।

सिंधु चैरिटेबल ने 250 परिवारों को बांटी दवाइयां

ग्वालियर। सिंधु सामाजिक सहायता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को दानाओली में सहायता सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 250 परिवारों को दवाइयां और निर्धन परिवारों को जरूरत का सामान दिया गया। इस सेवा कार्य में विजय वलेचा, श्रीचंद पंजाबी, मुकेश वासवानी, सुरेश लछवानी, हासानंद आहूजा आदि शामिल रहे।

ज्ञान परंपरा को करें आत्मसात : तोमर

■ ग्वालियर

2047 का विकसित भारत हमें अपनी संस्कृति से जुड़ा भारत चाहिए। यह बात बात रविवार को विजयाराजे सिंधिया कन्या महाविद्यालय मुरार एवं मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमिनार के समापन अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेश तोमर ने कही। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें परंपरागत शिक्षा के महत्व को समझकर ज्ञान परंपरा को ही आत्मसात करना होगा। समापन अवसर पर सेमिनार को संबोधित करते हुए वीआरजी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एसके श्रीवास्तव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम इस तरह के अंतरराष्ट्रीय स्तर के सेमिनार को आयोजित कर पाए। भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रो.बीएल अहिरवार प्राचार्य झलकारी बाई कन्या महाविद्यालय, डॉ. उमेश होलानी मौजूद थे। समापन कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट देते हुए कार्यक्रम सचिव डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा को संपूर्ण समावेश हो सके यही इस सेमिनार की सफलता है। अब समय आ चुका है। सेमिनार में देश-विदेश के लगभग 400 शोध विद्यार्थियों, विद्वान अतिथियों ने भाग लिया। 100 से अधिक शोध पत्रों को पढ़ा गया। सेमिनार में सम्मिलित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। महिला दिवस के अवसर पर अंतिम सत्र महिलाओं को समर्पित किया गया। इस सत्र में मेडिकल कॉलेज की डॉ. उमा त्रिपाठी महिला चिकित्सक ने कहा भारतीय ज्ञान परंपरा में महिलाओं और पुरुषों को दोनों को समान रूप से सम्मिलित किया गया है। इस अवसर पर डॉ. अलका पांडे लखनऊ, डॉ. रंजना एवं न्यू जर्सी से डॉ. सीमा ने ऑनलाइन भाग लिया।

'सैंया मोरा परदेस' की सुरलहरियों संग त्रिदेव संगीत रंगोत्सव का समापन

■ ग्वालियर

स्वर संस्कार एवं रागायन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदेव संगीत रंगोत्सव 2026 का समापन देश के युवा शास्त्रीय गायक नागेश आडगावकर के सुश्राव्य गायन से हुआ। कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत प्रेमियों ने संगीत की मधुर प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी के उपनिदेशक शेखर कराड़कर रहे। अध्यक्षता महंत रामसेवकदास महाराज ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वर संस्कार गुरुकुल के साधकों ने अपने गुरु पंडित संजय देवले के निर्देशन में की। उन्होंने 'कल्याण ठाठ के रंग' विषय के अंतर्गत तीन अलग-अलग रागों में बंदिशें प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके बाद समारोह का मुख्य आकर्षण रहे उस्ताद राशिद खां के शिष्य, पुणे से पधारे युवा गायक नागेश आडगावकर ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने राग पुरिया धनाश्री से अपने गायन की शुरुआत करते हुए एकताल में बड़ा ख्याल 'बल-बल जाऊं' तथा छोटा ख्याल 'सैया मोरा परदेस' प्रस्तुत किया। इसके पश्चात उन्होंने ठुमरी और भजन की सुरीली प्रस्तुति देकर श्रोताओं की खूब सराहना प्राप्त की। गायन में हारमोनियम पर पं. महेश दत्त पाण्डेय तथा तबले पर डॉ. मनीष करवड़े ने संगत दी।

बजरंग भक्त मंडल ने मनाया होली मिलन

■ ग्वालियर

रंग पंचमी के अवसर पर विनय नगर स्थित ज्वाला देवी एवं हनुमान मंदिर विनय नगर में बजरंग भक्त मंडल द्वारा होली मिलन समारोह और गौ भोग सेवा सप्ताह का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह हरे चारे के भोग के साथ की गई। उसके बाद दोपहर में सुंदरकांड पाठ किया। तत्पश्चात भक्तों ने मधुर भजनों पर थिरकते हुए होली की मस्ती में डूबकर एक-दूसरे पर रंग बरसाए। हर रविवार की तरह इस सप्ताह भी मंडल द्वारा गौ भोग सेवा का आयोजन किया गया। बजरंग भक्त मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल ने बताया कि यह कार्यक्रम न केवल धार्मिक उत्सव है, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा भावना को बढ़ावा देने का माध्यम भी है। इस अवसर पर राकेश मंगल,अमन गर्ग,रामकिशोर मंगल, पुनेश पाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

टेट परीक्षा पर रोक लगाने की मांग

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में शिक्षकों के लिए प्रस्तावित टेट (शिक्षक पात्रता परीक्षा) को लेकर शिक्षकों के बीच चिंता का माहौल बन गया है। इस संबंध में मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से परीक्षा प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है। प्रदेश महामंत्री राजीव पाठक ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार प्रदेश के लगभग डेढ़ लाख शिक्षकों को टेट परीक्षा के दायरे में लाकर जुलाई-अगस्त 2026 में परीक्षा आयोजित करने की संभावना जताई गई है। संगठन का कहना है कि जिन शिक्षकों ने 20 से 25 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है, उनके लिए इस प्रकार की परीक्षा की अनिवार्यता मानसिक चिंता और असमंजस की स्थिति पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षक परीक्षा से नहीं घबराते, लेकिन लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के लिए अचानक इस प्रकार का आदेश मानसिक दबाव उत्पन्न कर रहा है। संगठन ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के संदर्भ में इस मामले में रिव्यू दायर कर शिक्षकों को राहत प्रदान की जाए। मांग का समर्थन करने वालों में कमल लोधी, राकेश राठौर, सुबोध सिंह कुशवाह आदि शामिल हैं।

कमलाराजा अस्पताल में सुरक्षाकर्मी और परिजन के बीच विवाद

■ ग्वालियर

कमलाराजा अस्पताल (केआरएच) में रविवार सुबह गेटपास को लेकर सुरक्षाकर्मी और एक मरीज के परिजन के बीच विवाद हो गया। हालांकि बाद में अन्य सुरक्षाकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाइश दी और मामला शांत कराया।

जानकारी के अनुसार विक्की सिंह की मरीज अस्पताल के लेबर रूम में भर्ती है। रविवार सुबह मरीज के पास मौजूद एक अन्य परिजन ने विक्की सिंह को फोन कर अस्पताल बुलाया और बताया कि चिकित्सक ने उन्हें बुलाया है। इसके बाद विक्की सिंह अस्पताल पहुंचे और अंदर जाने लगे, तभी गेट पर तैनात गार्ड ने उनसे गेटपास मांगा। विक्की सिंह ने सुरक्षाकर्मी को बताया कि उनका गेटपास अंदर है और उन्हें डॉक्टर ने बुलाया है, लेकिन गार्डों ने बिना गेटपास के अंदर जाने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई और विवाद बढ़ गया। विक्की सिंह का आरोप है कि इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की, जबकि गार्डों ने इन आरोपों से इंकार किया है। विवाद बढ़ता देख अन्य सुरक्षाकर्मी भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया।

गहोई वैश्य समाज ने खेली फूलों की होली

■ डबरा

गहोई वैश्य समाज उत्थान समिति द्वारा रंग पंचमी के अवसर पर नगर के एक निजी गार्डन में रंग पंचमी महोत्सव एवं होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में वृंदावन से आए कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। इस दौरान फूलों की वर्षा के बीच समाज बंधुओं ने फूलों की होली खेलकर पर्व का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान मुन्नालाल डेंगरे को गहोई वैश्य समाज उत्थान समिति का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर समाज बंधुओं ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। वहीं मेधावी छात्र के रूप में रामू कुचिया के पुत्र का भी सम्मान किया गया। इसके साथ ही भाजपा जिला ग्रामीण कार्यकारणी में जिला कोषाध्यक्ष जितेंद्र उर्फ जीतू डेंगरे की नियुक्ति होने पर समाज बंधु एवं भाजपा कार्यकर्ता सहित आमजन ने बड़ी फूल माला से सम्मान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने भोजन ग्रहण किया। इस अवसर पर मुन्नालाल डेंगरे अध्यक्ष गहोई वैश्य समाज डबरा, कपिल बिलैया नवयुवक मंडल अध्यक्ष, श्रीराम छिरोलिया राम लला मंदिर गहोई वैश्य ट्रस्ट अध्यक्ष, अल्पना सेठ महिला मंडल अध्यक्ष, रामू गुप्ता शासकीय कर्मचारी कल्याण समिति अध्यक्ष, कमल किशोर नीखरा महामंत्री, कार्यक्रम संयोजक महेश चंद्र बिलैया, महेश चंद्र सरावगी, राजेंद्र नौगरिया, सनक गंधी, उपाध्यक्ष, कैलाश सेठ, कमल मोदी, प्रभु दयाल पिपरसेनिया, कैलाश सरावगी आदि उपस्थित रहे।

लोढ़ी माता की पूजा करने जा रहे दंपति सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल

भितरवार। भितरवार थाना क्षेत्र के डबरा-भितरवार मुख्य सड़क मार्ग स्थित झाडोली गांव के पास चार पहिया वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार रविवार को शिशगांव डबरा निवासी अरविंद जाटव 30 वर्ष पुत्र भगवान लाल जाटव अपनी पत्नी उमा जाटव 25 वर्ष को मोटरसाइकिल से अपने गांव से नरवर स्थित लोढ़ी माता मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जा रहे थे। इस दौरान डबरा-भितरवार मुख्य सड़क मार्ग स्थित झाडोली गांव के पास डबरा की ओर से एक चार पहिया सवारी वाहन भितरवार की ओर आ रहा था, जो झाडोली गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भराने के लिए पेट्रोल पंप साइड अपनी गाड़ी मोड़ दी इसी दौरान मोटरसाइकिल चालक अरविंद अनियंत्रित होकर चार पहिया वाहन में टकराने से गिर गया। गंभीर रूप से घायल दंपति का उक्त चार पहिया वाहन चालक अपने वाहन से भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचा, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को ग्वालियर रेफर किया गया।

निर्माणाधीन मकान की छत गिरी, बाल-बाल बचा परिवार

■ भितरवार

नगर के वार्ड नंबर 4 में रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक निर्माणाधीन मकान की छत अचानक भरभराकर गिर पड़ी। गनीमत रही कि हादसे के समय घर के सभी सदस्य बाहर बैठे हुए थे, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। यदि उस समय कोई भी व्यक्ति मकान के अंदर होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार भितरवार नगर परिषद के वार्ड नंबर 4 स्थित मंडी गेट के सामने रहने वाले धर्मेंद्र पुत्र गोटे जाटव के मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। रविवार को धर्मेंद्र और उनके परिवार के सदस्य घर के बाहर बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक निर्माणाधीन मकान की छत भरभराकर नीचे गिर गई। छत गिरने के साथ ही कुछ पटिया भी नीचे आ गिरीं, जिससे मकान के अंदर भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिवार के लोगों ने जब अंदर जाकर देखा तो मकान का एक बड़ा हिस्सा मलबे में तब्दील हो चुका था। घटना के बाद तुरंत नगर परिषद उपाध्यक्ष मन्नू यादव पहुंचे जिन्होंने प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

घटना की जानकारी मिलने पर तहसीलदार धीरज सिंह परिहार, नगर परिषद अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल, थाना प्रभारी सुधीर सिंह कुशवाह, वार्ड पार्षद पति कैलाश खटीक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और मकान की स्थिति का आकलन किया। अधिकारियों ने परिवार से बातचीत कर घटना के बारे में जानकारी ली और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

प्रशासन का कहना है कि फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है कि छत गिरने का कारण क्या रहा। निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी कमी या लापरवाही तो नहीं हुई, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

तहसीलदार धीरज सिंह परिहार ने बताया कि वार्ड नंबर 4 में एक निर्माणाधीन मकान की छत गिरने की सूचना मिली थी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और जो भी संभव आर्थिक सहायता होगी, वह पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराई जाएगी।

घर में अनिष्ट का भय दिखाकर ठगी करने वाले बाबाओं पर प्राथमिकी, तलाश में जुटी पुलिस

ग्वालियर, । आखिरकार हजीरा थाना पुलिस ने उन दो बाबाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है जिन्होंने एक युवक को घर में अनिष्ट होने का भय दिखाकर 30 हजार रुपए ठग लिए थे। बाबा बस्ती से भागते समय सीसीटीवी में कैद हो गए थे। पुलिस अब उनकी पहचान के प्रयास में जुट गई है। हजीरा थाना क्षेत्र स्थित राधा विहार कॉलोनी चार शहर का नाका निवासी विवेक पुत्र रामवल्लभ शर्मा 24 फरवरी को घर पर थे तभी उनके घर दो बाबा आए और उनसे कहने लगे कि तुम्हारे घर कुछ अनिष्ट होने वाला है। भय दिखाकर पूजा के नाम पर विवेक से 30 हजार रुपए लेकर बाबा फरार हो गए थे। जब दो दिन बाद भी फर्जी बाबा द्वारा समझौता कर ठगे विवेक को होश आया तो वह थाने पहुंचे और पुलिस को घटना के बारे में बताया। पुलिस ने जांच के बाद फरियादी की शिकायत पर दोनों बाबाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

भितरवार। नगर के बैकुंठ धाम में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा स्थल पर भक्तिमय माहौल बना रहा। कथा वाचक पं. सुशील पुरोहित ने भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का बाल स्वरूप अत्यंत मोहक और भक्तों के हृदय को आनंद से भर देने वाला है। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण बचपन से ही अपनी अद्भुत लीलाओं से गोकुल और वृंदावन की धरती को धन्य करते रहे। कथा के दौरान उन्होंने पूतना वध, शकटासुर वध, तृणावर्त वध तथा माखन चोरी जैसी बाल लीलाओं का सुंदर वर्णन किया। उन्होंने बताया कि बालकृष्ण की माखन चोरी की लीला केवल एक खेल नहीं, बल्कि यह भक्तों के हृदय रूपी माखन को चुराने का प्रतीक है।

सम्पादकीय

कनाडा के साथ यूरेनियम डील भारत के लिए कैसे मददगार होगी

अब तक की कहानी ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में प्रयासरत भारत ने 2 मार्च को कनाडा की कंपनी कैमेको के साथ 2.6 अरब कनाडियन डॉलर का समझौता किया । इस समझौते के तहत भारत को 2027 से 2035 के बीच लगभग 10,000 टन यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। भारत के पास यूरेनियम का कितना भंडार रू भारत में यूरेनियम के घरेलू और आयातित भंडार दोनों मौजूद हैं। घरेलू भंडार में 4.2-4.3 लाख टन अयस्क है, जो झारखंड के जादुगुडा और तुरमडीह तथा आंध्र प्रदेश के तुम्मलपल्ले की प्रमुख खानों में फैला हुआ है। इस अयस्क से निकाले जा सकने वाले यूरेनियम की मात्रा 76,000-92,000 टन होने का अनुमान है। अयस्क और धातु के बीच परिमाण का अंतर इसलिए है क्योंकि भारतीय अयस्क निम्न श्रेणी का है (0.02-0.45 प्रतिशत सांद्रता), जबकि कनाडा में उच्च श्रेणी का अयस्क पाया जाता है (भारतीय अयस्क से 10-100 गुना अधिक समृद्ध)। मात्रा के हिसाब से कैमेको विश्व के 3 सबसे बड़े यूरेनियम उत्पादकों में से एक है। यूरेनियम अयस्क का आयात करना इसे निकालने की तुलना में सस्ता है लेकिन इसका उपयोग कानूनी तौर पर परमाणु हथियारों में नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि भारत घरेलू स्तर पर भी अयस्क का खनन करता है। कैमेको के साथ यह समझौता भारत-कनाडा नागरिक परमाणु सहयोग समझौते (एन.सी.ए.) के अंतर्गत आता है। इस पर 2010 में हस्ताक्षर किए गए थे, परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह द्वारा भारत को क्लीन छूट जारी करने के 2 साल बाद, जो बदले में भारत और अमरीका के बीच 123वें परमाणु समझौते के कारण संभव हुई थी। दूसरी ओर, एन.सी.ए. की इस बात के लिए भी आलोचना की गई है कि वह भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम को परोक्ष रूप से समर्थन दे रहा है, भारत नागरिक उपयोग के लिए जितना अधिक यूरेनियम आयात करता है, उतना ही अधिक घरेलू यूरेनियम वह सैन्य उपयोग के लिए सुनिश्चित कर सकता है। भारत में वर्तमान में लगभग 9 गीगावाट की उत्पादन क्षमता वाले 24 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। 700 मैगावाट क्षमता वाले प्रैशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर (पी.एच.डब्ल्यू.आर.) वर्तमान में भारत की कुल बिजली का 6.7 गीगावाट, यानी लगभग 3 प्रतिशत उत्पादन करते हैं और इनमें ईंधन के रूप में यूरेनियम का उपयोग होता है। सरकार 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विरोध प्रदर्शनों के कारण इस योगदान को बढ़ाने के पिछले प्रयास बाधित हुए हैं। ट्रॉम्बे में स्थित ध्रुवा जैसे अनुसंधान रिएक्टरों में भी यूरेनियम की महत्वपूर्ण मात्रा का उपयोग टैक्नीशियम-99एम और आयोडीन-131 जैसे चिकित्सा समस्थानिकों के उत्पादन और उन्नत सामग्री विज्ञान अनुसंधान के लिए किया जाता है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई पीढ़ी के छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपए आबंटित किए, जो आमतौर पर 3.5 प्रतिशत समृद्ध यूरेनियम का उपयोग करते हैं। घरेलू यूरेनियम का उपयोग परमाणु युद्धक हथियारों (जिनकी संख्या वर्तमान में लगभग 170 होने का अनुमान है) और परमाणु ऊर्जा से चलने वाली आई.एन.एस. अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बियों के लिए भी किया जाता है। भारत वर्तमान में तीन चरणों वाले कार्यक्रम के पहले चरण से दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है। पहले चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पी.एच.आर.) बिजली उत्पादन के लिए प्राकृतिक यूरेनियम-235 का उपयोग करेंगे और प्लूटोनियम-239 उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त होगा। दूसरे चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बिजली उत्पादन, यूरेनियम-233 और अतिरिक्त प्लूटोनियम-239 के मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करेंगे। (इन रिएक्टरों को फास्ट ब्रीडर रिएक्टर इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करते हैं।) कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पी.एफ.बी.आर.) वर्तमान में चालू होने के उन्नत चरण में है। अंततः, उन्नत भारी जल रिएक्टर ईंधन के रूप में प्लूटोनियम-239 और थोरियम-232 का उपयोग करेंगे, जिससे बिजली और यूरेनियम-233 का उत्पादन होगा। होमी जे. भाभा ने इस तीन-चरणीय कार्यक्रम की परिकल्पना इस तथ्य का लाभ उठाने के लिए की थी कि भारत में विश्व के थोरियम भंडार का 20-25 प्रतिशत हिस्सा मौजूद है। हालांकि, इस कार्यक्रम में कई बार देरी हुई और लागत में भी भारी वृद्धि हुई है। डी.ए.ई. के पूर्व अध्यक्ष अनिल काकोडकर ने बताया है कि एक फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा दूसरे रिएक्टर को शुरू करने के लिए पर्याप्त ईंधन उत्पादन करने में लगने वाला समय (डबलिंग टाइम) वर्तमान में 15-20 वर्ष है। इस प्रकार, 100 गीगावाट बिजली उत्पादन के लिए भारत को कई डबलिंग चक्रों से गुजरना होगा, जो यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कई समझौतों का कारण हो सकता है।

टीम सूर्या ने ही नहीं, भारतीय संस्कृति ने भी जीता है वर्ल्ड कप

यह वर्ल्ड कप का यह खिताब न केवल टीम सूर्या ने जीता बल्कि उस उदात्त भारतीय संस्कृति ने जीता है, जिसकी नुमाइंदगी ये 11 खिलाड़ी अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में कर रहे थे। टी 20 वर्ल्डकप 2026 का भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ धमाकेदार फाइनल मैच कई मायने में अलग था इसमें भारत और इंग्लैंड के मध्य हुए सेमीफाइनल मैच जैसा दिल की धड़कने थमा देने वाला रोमांच भले न हो, लेकिन मैच का हर क्षण टीम सूर्या की हर हाल में जीत की जिद से सराबोर था। मानो रंगपंचमी का त्योहार क्रिकेट की दीवाली में तब्दील हो गया हो। खास बात ये कि वर्ल्ड कप का यह खिताब न केवल टीम सूर्या ने जीता बल्कि उस उदात्त भारतीय संस्कृति ने जीता है, जिसकी नुमाइंदगी ये 11 खिलाड़ी अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में कर रहे थे। क्रिकेट के मैदान में सांस्कृतिक संजीदगी का नजारा सांस्कृतिक संजीदगी का ये नजारा एक बार नहीं चार-चार बार दिखा। मसलन इंग्लैंड की टीम के साथ हुए कशमकश भरे सेमीफाइनल को अपने नाम करने के बाद भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन ने प्लेयर ऑफ द मैच की ट्रॉफी उस मुखालिफ टीम के मासूम युवा खिलाड़ी जेकब बेथल को यह कहकर थमा दी कि आज इसके असल हकदार तुम्ही हो। बेथल ने अपनी टीम को जिताने के लिए जी जान लगा दी, सेंचुरी भी मारी, लेकिन टीम आखिर में सात रनों से हार गई। अपनी इस बेबसी पर रोते बेथल को संजू ने जिस बड़प्पन के साथ हिम्मत बंधाई, श्रेय दिया, उसके लिए दरिया जैसा दिल चाहिए। यही नहीं, अपनी कामयाबियों कर इठलाने की जगह संजू ने जिस हिमालय-सी उदारता का परिचय देते हुए फाइनल में हार से व्यथित न्यूजीलैंड टीम के कप्तान मिशेल सेंटेनर आगे बढ़कर उठाया। यह केवल दिल बहलाने की बात नहीं थी, बल्कि निष्काम भाव से प्रतिद्वंद्वी के परिश्रम का स्वीकार था। जीत के गुरूर और उन्माद के बीच करूणा और उदारता की कविता रच देना, किसी साधारण खिलाड़ी का काम नहीं है। संजू ने साबित कर दिया कि वो एक बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं हैं, एक महान इंसान भी हैं। ऐसा इंसान, जिसकी तारीफ हमारे दुश्मन देश पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मुक्त कंठ से की। मैदान पर एक नायाब नजारा वो भी दिखा जब इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने वानखेडे स्टेडियम के दर्शकों से भरे स्टेडियम में सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। गौरतलब है कि दुनिया में पैर छूने की परंपरा केवल भारतीय संस्कृति में है, जहां बड़ों और महान लोगों के आगे झुकने का अर्थ अपने भीतर के अहंकार तो तिरोहित करना है न कि किसी के आगे सरेंडर करना। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मैच एक और नजीर फाइनल में गेंदबाज अर्शदीप सिंह द्वारा विकेट उड़ाने की जल्दी में फेंकी गई गेंद न्यूजीलैंड टीम के कप्तान को जा लगना और उनका बिफरना थी। अर्शदीप ने ऐसा जानबूझकर नहीं किया था, जल्दबाजी में ऐसा हुआ। लेकिन अपने इस अपराध बोध से व्यथित अर्शदीप ने सेंटेनर से एक नहीं दो-दो बार माफी मांगी। कप्तान सूर्या ने भी अपने साथी की इस चूक पर क्षमायाचना में कोताही नहीं की। मामला वहीं खत्म हो गया। क्रिकेट जैसे खेल और मैच के दौरान किलिंग इंस्टींक्ट के तकाजों के बीच असाधारण संयम और दरियादिली का परिचय देकर भारतीय खिलाड़ियों ने खिताबी ट्रॉफी के साथ-साथ सारी दुनिया का दिल भी जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका के हाथों ग्रुप मैच में भारत की करारी हार जैसे अवांछित और सबक सिखाने वाले प्रसंग को छोड़ दिया जाए तो ऐसा बार- बार लगा कि भारतीय क्रिकेट टीम एक जिद की साथ उतरी है। फाइनल में खिताबी मैच के एक दिन पहले तक अपनी जीत और भारतीय टीम के घरेलू मैदान पर भारी दबाव में खेलने की डींगे हांकने वाले न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटेनर की जबान तब खामोश हो गई, जब टॉस जीतकर भी गेंदबाजी करने का उनका अपना दांव उलटा पड़ गया। दूसरी तरफ भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम टॉस की क्षणिक हार को रिकॉर्ड जीत में बदलने के लिए बेताब थी। सभी 11 खिलाड़ी तय करके मैदान में उतरे थे कि अपनी दो साल पहले जीती ट्रॉफी को हर हाल में बचाए रखना है, यानी मोर्चे पर तैनात उस योद्धा की तरह, जो अपनी इंच भर जमीन भी दुश्मन को देने के लिए तैयार नहीं है। अगर आप गौर से देखें तो हर कप्तान की अपनी बॉडी लैंग्वेज होती है, जो कुछ कहती है। भारतीय टीम के पूर्व विश्वविजेता कप्तानों और वर्तमान कप्तान सूर्य कुमार यादव की देहभाषा में फर्क यह है कि उनका चेहरा बोलता है। तनाव, संकल्प, हैरत और जिद के लमहों में उनके होठ चंबू (भगवान को जल चढ़ाने वाला सुराही जैसे मुंह वाला छोटा पात्र) की माफिक गोल हो जाते हैं। सेकंड के भी शतांश-सी उनकी यह शारीरिक प्रतिक्रिया इंट्रोस्पेक्शन के साथ-साथ मैच की स्क्रिप्ट किसी ब्लॉक बस्टर फिल्म की पटकथा लिखती-सी प्रतीत होती है। सूर्या के होंठ सामान्य होते ही संदेश चला जाता था कि कोई एरर आई थी, जो सॉल्व हो गई। जीत का कारवां अपनी सरगम के साथ लय में आगे बढ़ रहा है। सूर्या के होठों और आंखों की मौन भाषा को शायद उनके सहयोगी खिलाड़ी भी बड़ी सफाई से पढ़ और समझ लेते हैं। यही कारण है कि जब रनों की जरूरत थी, तब रनों का अंबार रचा, जब विकेट गिराने की जरूरत थी, विकेट ध्वस्त किए, जब कैच पकड़ने की दरकार थी तो किसी सजग प्रहरी से अधिकांश कैचों को जीत के फोल्डर में डाला, जब किफायती गेंदबाजी की आवश्यकता था तब किसी मारवाड़ी की मानसिकता से रन दिए। टी-20 फार्मेट में 'टीम इंडिया ही बाहुबली' इन सब बातों का यूनिक मिश्रण मैदान में कीवियों का फालूदा बना गया। कह सकते हैं कि टी 20 वर्ल्ड कप के पहले भारत आई न्यूजीलैंड की टीम को इस फार्मेट में देसी मैदानों पर पहले ही मात देने का अनुभव भारतीय टीम के काम आया।

मसलन इंग्लैंड की टीम के साथ हुए कशमकश भरे सेमीफाइनल को अपने नाम करने के बाद भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन ने प्लेयर ऑफ द मैच की ट्रॉफी उस मुखालिफ टीम के मासूम युवा खिलाड़ी जेकब बेथल को यह कहकर थमा दी कि आज इसके असल हकदार तुम्ही हो। बेथल ने अपनी टीम को जिताने के लिए जी जान लगा दी, सेंचुरी भी मारी, लेकिन टीम आखिर में सात रनों से हार गई। अपनी इस बेबसी पर रोते बेथल को संजू ने जिस बड़प्पन के साथ हिम्मत बंधाई, श्रेय दिया, उसके लिए दरिया जैसा दिल चाहिए। यही नहीं, अपनी कामयाबियों कर इठलाने की जगह संजू ने जिस हिमालय-सी उदारता का परिचय देते हुए फाइनल में हार से व्यथित न्यूजीलैंड टीम के कप्तान मिशेल सेंटेनर आगे बढ़कर उठाया। यह केवल दिल बहलाने की बात नहीं थी, बल्कि निष्काम भाव से प्रतिद्वंद्वी के परिश्रम का स्वीकार था। जीत के गुरूर और उन्माद के बीच करूणा और उदारता की कविता रच देना, किसी साधारण खिलाड़ी का काम नहीं है। संजू ने साबित कर दिया कि वो एक बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं हैं, एक महान इंसान भी हैं। ऐसा इंसान, जिसकी तारीफ हमारे दुश्मन देश पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मुक्त कंठ से की। मैदान पर एक नायाब नजारा वो भी दिखा जब इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने वानखेडे स्टेडियम के दर्शकों से भरे स्टेडियम में सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। गौरतलब है कि दुनिया में पैर छूने की परंपरा केवल भारतीय संस्कृति में है, जहां बड़ों और महान लोगों के आगे झुकने का अर्थ अपने भीतर के अहंकार तो तिरोहित करना है न कि किसी के आगे सरेंडर करना। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मैच एक और नजीर फाइनल में गेंदबाज अर्शदीप सिंह द्वारा विकेट उड़ाने की जल्दी में फेंकी गई गेंद न्यूजीलैंड टीम के कप्तान को जा लगना और उनका बिफरना थी। अर्शदीप ने ऐसा जानबूझकर नहीं किया था, जल्दबाजी में ऐसा हुआ। लेकिन अपने इस अपराध बोध से व्यथित अर्शदीप ने सेंटेनर से एक नहीं दो-दो बार माफी मांगी। कप्तान सूर्या ने भी अपने साथी की इस चूक पर क्षमायाचना में कोताही नहीं की। मामला वहीं खत्म हो गया। क्रिकेट जैसे खेल और मैच के दौरान किलिंग इंस्टींक्ट के तकाजों के बीच असाधारण संयम और दरियादिली का परिचय देकर भारतीय खिलाड़ियों ने खिताबी ट्रॉफी के साथ-साथ सारी दुनिया का दिल भी जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका के हाथों ग्रुप मैच में भारत की करारी हार जैसे अवांछित और सबक सिखाने वाले प्रसंग को छोड़ दिया जाए तो ऐसा बार- बार लगा कि भारतीय क्रिकेट टीम एक जिद की साथ उतरी है। फाइनल में खिताबी मैच के एक दिन पहले तक अपनी जीत और भारतीय टीम के घरेलू मैदान पर भारी दबाव में खेलने की डींगे हांकने वाले न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटेनर की जबान तब खामोश हो गई।

बजट सत्र का शेष हिस्सा प्रधानमंत्री के लिए और भारी

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी के लिए संसद के बजट सत्र का पहला हिस्सा बहुत मुश्किल था। लेकिन दूसरा हिस्सा उससे भी ज्यादा मुश्किल होगा यह उन्होंने नहीं सोचा था। सोमवार 9 मार्च से दूसरा हिस्सा शुरू हो रहा है। विपक्ष जोश में है। पहले हिस्से के दौरान अमेरिका के साथ डील पर मोदी कुछ नहीं बोल सके। इसके अलावा उनके सबसे बड़े मुद्दे राष्ट्रवाद पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व थल सेना अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवाणे की किताब के जरिए बड़ा हमला कर दिया। राहुल ने कहा कि जब चीनी टैंक अपनी पैदल सेना के साथ पूर्वी लद्दाख में हमारी सीमा में घुस रहे थे तो मोदी उन्हें रोकने का आदेश देने में असमर्थ साबित हुए। चीनी सीमा पर बिना प्रधानमंत्री से पूछे कोई कार्रवाई करने से मना कर रखा था। थल सेना अध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर विदेश मंत्री सुरक्षा सलाहकार सबसे फोन करके, हाट लाइन पर कहते रहे कि पूछिए क्या करना है? करीब ढाई घंटे तक कुछ नहीं बताने के बाद आखिरी में प्रधानमंत्री का जवाब आया जो उचित समझो वह करो! देश में कमजोरी छुपाने के लिए यह मुहावरा बन गया। देश की सुरक्षा से समझौता! मगर प्रधानमंत्री ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। किया, सिर्फ यह कि लोकसभा में जहां उन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था वहां आए ही नहीं। लोकसभा अध्यक्ष से कहलवा दिया कि विपक्ष की महिला सांसदों से खतरा! देश की सुरक्षा से समझौता और महिला सांसदों से डर! संसदीय इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव बिना प्रधानमंत्री या सदन के नेता के जवाब दिए पास करना पड़ा। अभी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू कह रही हैं कि बंगाल जाने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी (विपक्ष) ने उनका अपमान किया! भूल गईं कि अपमान तो एक महीने पहले प्रधानमंत्री ने उनके अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब न देकर किया था! लेकिन विपक्ष ने उस मामले में राष्ट्रपति का नाम जुड़ा होने के कारण अभिभाषण को मुद्दा नहीं बनाया और उसे पारित हो जाने दिया। सोचिए कि विपक्ष अगर उसे पास करने से इनकार कर देता तो राष्ट्रपति का कितना अपमान होता? मगर विपक्ष ने खुद को केवल प्रधानमंत्री तक ही सीमित रखा प्रधानमंत्री के लिए बजट सत्र की शुरूआत ही मुश्किलों के साथ हुई। बजट में तो कुछ आम आदमी के लिए था ही नहीं। मगर अमेरिका ने बजट पेश होने के अगले दिन ही डील की घोषणा करके अपने यहां से बिना किसी शुल्क (टैरिफ) के जो कृषि उत्पाद भारत भेजे जाने हैं उसकी लिस्ट जारी कर दी। प्रधानमंत्री मोदी वादे कर रहे थे कि भारतीय बाजार विदेशों के कृषि उत्पाद के लिए नहीं खोला जाएगा। और यहां अमेरिका ने कह दिया कि उसके कृषि उत्पाद भारत जाएंगे भी और मोदी सरकार उन पर कोई टैरिफ भी नहीं लेगी। नेता प्रतिपक्ष राहुल ने इसे भारत के किसानों के साथ विश्वासघात बताया। डील पर मोदी बहुत बुरी तरह घिर गए। मगर यहां भी कोई जवाब नहीं दे पाए। राहुल गांधी ने लोकसभा में ही एपस्टीन फाइल का नाम लेकर यह और कह दिया कि उसकी वजह से ट्रंप हमारे प्रधानमंत्री का मुंह बंद किए हुए है। नहीं तो भारत का कोई भी प्रधानमंत्री भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करने वाली ऐसी डील नहीं करता। साथ ही यह भी कहा कि ट्रंप के एक हाथ में एपस्टीन फाइल है जिससे वह एक तरफ से गर्दन पकड़े है तो दूसरे हाथ में अडानी के क्रिमिनल मामलों के केस हैं इससे दूसरी तरफ से गर्दन दबा रहा है। न प्रधानमंत्री और न अडानी इन स्पष्ट आरोपों का जवाब दे पाए। और अब बजट सत्र का दूसरा हिस्सा आ गया। राहुल फिर लोकसभा में होंगे और जैसा कि उनका दावा है और वह हर बार सही साबित हो रहा है कि प्रधानमंत्री सदन में मेरे सामने नहीं आ सकते। अब जब अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमला कर दिया है भारत की सारी तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई है। और अमेरिका बहुत दया दिखाकर हमें 30 दिन के लिए रूस से तेल खरीदने की छूट दे रहा है तब संसद के बजट सत्र का दूसरा हिस्सा शुरू हो रहा है। मोदी जो हर मामले में बोलते हैं अमेरिका के मामले में एक शब्द भी नहीं बोल पा रहे हैं। पूरी तरह मौन हैं। बदनाम तो किया था सोच समझ कर बोलने वाले विद्वान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को मौन मनमोहन बोल कर। मगर खुद तो केवल मौन ही नहीं हुए। ट्रंप के सामने हर मामले में मौन रहकर सहमति प्रकट करते हुए और दिख रहे हैं। अमेरिका ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की हत्या कर दी। लेकिन 6 दिन तक मोदी सरकार कोई प्रतिक्रिया तक व्यक्त नहीं कर पाई। लेकिन फिर जब कांग्रेस ने इसकी निंदा की। सोनिया और राहुल बोले तो भारत के विदेश सचिव ने ईरान दूतावास जाकर वहां शोक पुस्तिका में श्रद्धांजलि लिखी। अमेरिका का इतना डर। और यह डर अब सर्वव्यापी हो गया। डर भी छूत की बीमारी की तरह होता है। एक के होते ही तेजी से फैलने लगता है। सब में तो नहीं फैलता। जैसे राहुल पर डर का कोई असर नहीं है। मगर यह बात सबके लिए नहीं कही जा सकती। अभी सबने देख लिया कि नीतीश कुमार जिन्हें लोग प्रधानमंत्री मटेरियल बता रहे थे वे टिन पत्तर वाले मटेरियल निकले। ऐसे डरे, दबे कि मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने को तैयार हो गए। खुद से लिखकर अपना मजाक उड़वा लिया कि राज्यसभा नहीं देखी थी वहां जाने की इच्छा है। पचासों उनके राज्यसभा में खड़े होकर बोले जाने वाले जवाब होंगे, दूरदर्शन के पास वीडियो होंगे कि जब वे केन्द्र सरकार में मंत्री थे कितनी बार राज्यसभा जाना होता था। नीतीश कुमार शायद भूल गए कि मंत्री दोनों सदनों में जा सकता है।

गेमचेंजर होगी नेपाल में आरएसपी की शानदार जीत

नित्य चक्रवर्ती

नेपाल में 5 मार्च को हुए आम चुनावों में जेनजेड समर्थित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की शानदार जीत न सिर्फ इस छोटे से हिमालयी देश के राजनीतिक इतिहास में बल्कि दक्षिण एशिया की बदलती राजनीति में भी एक गेमचेंजर है। नेपाल अब दक्षिण एशिया का दूसरा देश है जो सितंबर 2025 के दूसरे हफ्ते में बगावत के जरिए एक पारंपरिक राजनीतिक पार्टी की सरकार को हटाने वाले युवा आंदोलन के समर्थन वाली सरकार की स्थापना देख रहा है। सिर्फ दक्षिण एशिया के एक और देश, श्रीलंका में, सितंबर 2024 में कमोबेश ऐसा ही नजारा देखने को मिला था, जब नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) के नेता ने श्रीलंका की पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों को हराकर राष्ट्रपति चुनाव जीता था, जिन्होंने दशकों तक इस द्वीप देश पर राज किया था। 2023 के श्रीलंका चुनाव, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ 2022 में छात्रों और लोगों के विद्रोह में सत्ताधारी सरकार के हटने के बाद हुए थे। दक्षिण एशिया के एक और देश, बांग्लादेश में, छात्रों के विद्रोह की वजह से अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार चली गई, लेकिन इस साल 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनावों में युवाओं के नेतृत्व वाली कोई सरकार नहीं बनी। इसके विपरीत हसीना सरकार को हटाने के लिए विद्रोह के समर्थकों द्वारा बनाई गई पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा और पारंपरिक पार्टी बीएनपी को दो-तिहाई मतों से जीत मिली। इसलिए बांग्लादेश परिवर्तन के बस से चूक गया जबकि श्रीलंका और नेपाल सफल रहे। नेपाल चुनावों के अंतिम नतीजे अभी नहीं

आए हैं, लेकिन रुझानों से पता चलता है कि आरएसपी कुल 165 सीटों में से 100 सीटें पार करने वाली है, जिन पर सीधे चुनाव हुए थे। दूसरी पार्टियां गगन थापा के नेतृत्व वाली नेपाल कांग्रेस, पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन(यूएमएल) और प्रचंड के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) दो अंकों को छूने के लिए संघर्ष कर रही हैं। संकेत हैं कि आरएसपी, किसी दूसरी पार्टी पर निर्भर हुए बिना, अपने दम पर नई सरकार बना पाएगी। पिछले दो दशकों के संसदीय लोकतंत्र में अब तक नेपाल में किसी भी राजनीतिक पार्टी के पास अकेले बहुमत नहीं रहने का रूझान यह रहा है। सरकार चलाने के लिए चुनाव के बाद गठबंधन बनाया गया था। सहयोगी कई बार बदले, जिससे मंत्रिमंडल गिर गया और फिर सत्ता में बने रहने के लिए एक नया गठबंधन बना। यह रूझान 2026 के चुनाव से बंद हो रहा है। आरएसपी नेपाल की सबसे नई राजनीतिक पार्टियों में से एक है जो 2026 के चुनाव में मैदान में उतरी। आरएसपी की स्थापना 2022 में चुनाव से पहले हुई थी। पार्टी ने 131 चुनाव क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और 10.7 प्रतिशत वोट हासिल किए, जिसमें सीधे चुनाव में 7 सीटें और समानुपातिक प्रतिनिधित्व के तहत 13 सीटें जीतीं। पार्टी के प्रमुख बाबा लामचाने हैं, जो एक मीडिया मालिक हैं। काठमांडू के पूर्व मेयर बालेंद्र शाह बाद में आरएसपी में शामिल हुए और 2026 में पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली को हराकर चुनाव जीते। वह इतने लोकप्रिय हैं कि उन्हें आरएसपी सरकार का अगला प्रधानमंत्री बनने के लिए चुना जा रहा है। वह नेपाल सरकार की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, शाह और जेनजेड आन्दोलन के वरीय नेताओं के करीबी हैं। बालेंद्र शाह ने जेनजेड के संरक्षक के तौर पर काम किया। असल में, एक समय पर जेनजेड के अपनी पार्टी बनाने पर भी कुछ चर्चा हुई थी, लेकिन आखिर में, वे शाह और आरएसपी के साथ आ गए। नेपाल में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के सरकारी आदेश के विरोध में जेनजेड ने स्कूली छात्रों के साथ मिलकर आंदोलन शुरू किया था। फिर यह आंदोलन सत्ताधारी केपीएस ओली सरकार और सभी स्थापित राजनीतिक पार्टियों के पूरे विरोध में बदल गया। सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं लेकिन नेपाली सेना ने सावधानी बरती। स्थिति काबू से बाहर होने के बाद, नेपाली सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री ओली को पद छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने और उनकी सरकार ने इस्तीफा दे दिया। सेना प्रमुख ने जेनजेड नेताओं और सिविल सोसाइटी नेताओं से सलाह करके पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनाने में मदद की। नेपाल की संसद के निचले सदन में 275 सीटें हैं। इसमें से 165 सीटें सीधे चुनाव के लिए हैं और बाकी 110 सीटें समानुपातिक प्रतिनिधित्व से भरी जाएंगी।

अमरीका की कूटनीति नहीं दादागिरी!

विनीत नारायण

आज दुनिया में हर ओर युद्ध, तबाही और अराजकता का दौर है। विकास की गति रुक रही है। अनिश्चितता का वातावरण है। अनेक देशों के नेता ही मवालियों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। जबकि विश्व के लोग हमेशा शांति और विकास चाहते हैं। इस उठा-पटक में अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सबसे आगे हैं। ट्रम्प ही क्यों, अमरीका की तो फितरत ही रही है कि कोई बहाना ढूंढ कर कमजोर देशों को दबाना और उनके संसाधनों पर कब्जा करना। हाल ही में सोशल मीडिया पर ेंदार्व360 से एक पोस्ट काफी वायरल हुई, जिसमें लिखा है कि प्रिय दुनिया, क्या तुम अमरीका और उसके सहयोगियों द्वारा झूठ बोलने से थक नहीं गए हो? क्या तुम उस साम्राज्य से थक नहीं गए हो, जो खून और मौत की तलाश में नहीं रुकता? अमरीका या उसके सहयोगी कभी किसी बात पर सच्चे रहे हैं? दुनिया कब इनके झूठ से ऊब जाएगी? अब तो हमें पता होना चाहिए कि वैश्विक अशांति, मौत, अराजकता और विनाश के जिम्मेदार कौन हैं? जो दुनिया की स्थिरता के खिलाफ हैं? जो विश्व शांति के विचार से डरते हैं? तुम्हारी चुप्पी सहयोग है! अमरीका वैश्विक मुसीबत पैदा करने वाला है। मौत और विनाश की मशीन! अमरीकी साम्राज्य की तानाशाही के खिलाफ बोलो!!!यह पोस्ट न केवल अमरीका की ऐतिहासिक गलतियों को उजागर करती है बल्कि दुनिया को जगाने का प्रयास भी करती है। आज, जब हम वेनेजुएला, क्यूबा और ईरान जैसे देशों में अमरीकी हस्तक्षेप की नई लहर देख रहे हैं, यह स्पष्ट हो गया है कि अमरीका के फैसले गलत साबित हो चुके हैं। इन युद्धों ने न केवल लाखों जानें लीं, बल्कि दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। अमरीका की इन गलतियों से यह पता चलता है कि वैश्विक समुदाय अब युद्धों से कितना ऊब चुका है? अमरीका की विदेश नीति का इतिहास झूठ, हस्तक्षेप और युद्धों से भरा पड़ा है। 1950 के दशक से शुरू करें तो कोरियाई युद्ध (1950-1953) में अमरीका ने उत्तर कोरिया के आक्रमण का बहाना बनाकर हस्तक्षेप किया लेकिन वास्तविकता यह थी कि यह शीत युद्ध की रणनीति का हिस्सा था। लाखों कोरियाई मारे गए लेकिन क्या अमरीका की जीत हुई? नहीं, यह युद्ध आज भी कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव का कारण बना हुआ है। इसी तरह, 1954 में ग्वाटेमाला में अमरीका ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फैंका, क्योंकि वहां की भूमि सुधार नीतियां अमरीकी कंपनियों को पसंद नहीं आईं। ग्वाटेमाला आज भी गरीबी और हिंसा से जूझ रहा है। 1950-60 के दशक से अमरीका के झूठ की फेहरिस्त लंबी है। इंडोनेशिया (1958) में सी.आई.ए. ने विद्रोहियों को समर्थन दिया लेकिन असफल रहा। क्यूबा (1961) में बे ऑफ पिग्स हमला एक बड़ी असफलता थी, जहां अमरीका ने फिदेल कास्त्रो को हटाने की कोशिश की लेकिन खुद की किरकिरी हुई। वियतनाम युद्ध (1961-1975) तो अमरीकी इतिहास का सबसे काला अध्याय है। अमरीका ने टोंकिन की खाड़ी घटना को बहाना बनाकर युद्ध शुरू किया, जो बाद में झूठ साबित हुआ। 58,000 अमरीकी सैनिक और लाखों वियतनामी मारे गए। अमरीका हारकर लौटा, और वियतनाम आज एक मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश है। लाओस (1964-1973) और कंबोडिया (1969-1970) में गुप्त बमबारी ने लाखों लोगों को मार डाला और खमेर रूज जैसे आतंक को जन्म दिया। कांगो (1964) में अमरीका ने वहां प्रधानमंत्री पैट्रिस लुमुम्बा की हत्या में भूमिका निभाई, जो अफ्रीका की आजादी के प्रतीक थे। डोमिनिकन रिपब्लिक (1965) में हस्तक्षेप ने लोकतंत्र को कुचला। 1980 के दशक में भी यह सिलसिला जारी रहा। ग्रेनाडा (1983) में अमरीका ने मैडिकल छात्रों की सुरक्षा का बहाना बनाकर आक्रमण किया लेकिन यह छोटे देश पर साम्राज्यवादी कब्जा था। लेबनान (1983-1984) में अमरीकी सैनिकों की मौत हुई लेकिन कोई स्थायी शांति नहीं आई। लीबिया (1986) में गद्दाफी पर हमला, ईरान (1987-1988) में नौसेना संघर्ष, पनामा (1989) में नोरिएगा को हटाना-ये सभी फैसले अमरीका की ताकत दिखाने के लिए थे लेकिन उन्होंने क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ाई। इराक के खिलाफ 1991 का गल्फ वॉर, 1998 की बमबारी और 2003 का आक्रमण महाविनाश के हथियारों के झूठ पर आधारित था। सद्दाम हुसैन को हटाया गया लेकिन इराक आज भी अराजकता में डूबा है, आई.एस.आई.एस. जैसे समूह पैदा हुए। सोमालिया (1992-1994, 2007-वर्तमान) में अमरीकी हस्तक्षेप ने समुद्री डकैती और आतंकवाद बढ़ाया। बोस्निया (1994-1995) में नाटो हमले, सूडान (1998) में दूतावास बमबारी, अफगानिस्तान (1998, 2001) में तालिबान के खिलाफ युद्ध-ये सभी अमरीका की आतंकवाद विरोधी नीति के नाम पर थे, लेकिन अफगानिस्तान से 2021 की शर्मनाक वापसी ने साबित किया कि 20 साल का युद्ध व्यर्थ था। यूगोस्लाविया (1999) में नाटो बमबारी ने कोसोवो को अलग किया।

दुकानों के सामने जलभराव से परेशान व्यापारियों ने नगर निगम मुदार्बाद के नारे लगाए

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के सरोजनीनगर में व्यापारी नगर निगम और नगर आयुक्त से काफी नाराज हैं। सोमवार जमकर प्रदर्शन करते हुए मुदार्बाद के नारे लगाए। उनका कहना है कि दुकानों के सामने गंदगी और जलभराव से बिक्री प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन बाग नंबर-3 के व्यापारियों ने किया। उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल एयरपोर्ट शाखा के बैनर तले व्यापारियों ने एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास इकट्ठा होकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने इस गंदगी को हटवाने और नाले का पानी बाहर उफनाए रहने की शिकायत कई बार की। न नगर आयुक्त ने शिकायत सुनी और न ही निगम में कहीं पर सुनी जा रही है। इसीलिए उनके खिलाफ प्रदर्शन जरूरी है। व्यापारियों का आरोप है कि बाग नंबर-2 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन से लेकर नादरगंज तक कानपुर रोड किनारे बने नाले की लंबे समय से उचित सफाई नहीं कराई गई है। इसके कारण नाला उफनाकर उसका गंदा पानी दुकानों के सामने सड़क पर भर जाता है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और व्यापारियों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बिठूर की ये 5 जगहें बना देंगी आपका वीकेंड यादगार, इतिहास और आस्था का अनोखा संगम

कानपुर के पास शानदार वीकेंड ट्रिप के लिए बिठूर के मुख्य पर्यटन स्थलों के बारे में जानिए। यहां ब्रह्मावर्त घाट, ध्रुव टीला, वाल्मीकि आश्रम और अन्य ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों की पूरी जानकारी दी जा रही है। अगर आप कानपुर के आसपास एक शांत और ऐतिहासिक जगह घूमने की तलाश में हैं, तो बिठूर एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। गंगा नदी के किनारे बसा यह छोटा सा कस्बा धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक घटनाओं और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां कई ऐसे मंदिर, घाट और ऐतिहासिक स्थल हैं जो पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। खास बात यह है कि यह जगह वीकेंड ट्रिप या एक दिन की यात्रा के लिए बिल्कुल परफेक्ट मानी जाती है। अगर आप धार्मिक, ऐतिहासिक और शांत पर्यटन स्थल की तलाश में हैं, तो बिठूर आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है। यहां के मंदिर, घाट और ऐतिहासिक स्थल न केवल आस्था से जुड़े हैं बल्कि भारत के समृद्ध इतिहास की झलक भी दिखाते हैं। अगली बार अगर आप कानपुर के आसपास घूमने की योजना बना रहे हैं, तो बिठूर की इन जगहों को अपनी लिस्ट में जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं बिठूर के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के बारे में।

ब्रह्मावर्त घाट

यह बिठूर का सबसे प्रसिद्ध और पवित्र घाट माना जाता है। मान्यता है कि यहां भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना के लिए यज्ञ किया था, इसलिए इसे ब्रह्मावर्त घाट कहा जाता है। इस घाट से गंगा नदी का बेहद सुंदर दृश्य दिखता है। सुबह और शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। यहां का वातावरण शांत और आध्यात्मिक है। सूर्यास्त के समय यहां का नजारा बेहद खूबसूरत लगता है।

ध्रुव टीला

यह स्थान ध्रुव जी की तपस्या से जुड़ा हुआ माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, ध्रुव ने यहां भगवान विष्णु की कठोर तपस्या की थी, जिसके बाद उन्हें आकाश में ध्रुव तारा बनने का आशीर्वाद मिला। ध्रुव टीला ब्रह्मावर्त घाट से नजदीक है, जहां नाव से भी जा सकते हैं। यहां की ऊंचाई से दिखाई देने वाला सुंदर दृश्य मनमोहक और वातावरण शांत है।

वाल्मीकि आश्रम

यह स्थान महर्षि वाल्मीकि से जुड़ा हुआ माना जाता है। मान्यता है कि यहां ही सीता माता ने अपने पुत्र लव और कुश को जन्म दिया था। इस वजह से यह जगह रामायण से जुड़ी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थली मानी जाती है। यहां देखने लायक जगहों में वाल्मीकि मंदिर, आश्रम परिसर है।

नाना राव पार्क मेमोरियल

यह स्थान 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा हुआ है। यहां नाना साहेब पेशवा से संबंधित स्मारक और ऐतिहासिक स्थल मौजूद हैं। यह जगह इतिहास में रुचि रखने वाले लोगों के लिए खास मानी जाती है। साथ ही पार्क के अंदर संग्रहालय भी बना हुआ है।

पत्थर घाट

यह बिठूर का एक बेहद सुंदर और ऐतिहासिक घाट है। इस घाट का निर्माण पत्थरों से किया गया है, इसलिए इसे पत्थर घाट कहा जाता है। इस घाट की खासियत है कि यहां की वास्तुकला बेहद आकर्षक है। फोटोग्राफी के लिए शानदार जगह और गंगा नदी का शांत वातावरण देखने को मिलता है।

बिठूर कैसे पहुंचे?

कानपुर से बिठूर की दूरी लगभग 20ञ25 किमी है। अगर आप सड़क मार्ग से जा रहे हैं तो बस, टैक्सी या निजी वाहन से आसानी से पहुंच सकते हैं। इसके अलावा बाहर से आने वाले पर्यटक निकटतम रेलवे स्टेशन कानपुर सेंट्रल पहुंचकर यात्रा कर सकते हैं। कानपुर से बिठूर तक का सफर लगभग 40ञ50 मिनट में पूरा हो जाता है।

गर्मियों में टैनिंग से हाथ हो गए काले तो अपनाएं ये देसी नुस्खे

गर्मियों के मौसम में तेज धूप और गर्म हवाएं त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। बाहर निकलते समय सूर्य की तेज किरणें सीधे त्वचा पर पड़ती हैं, जिससे हाथों, चेहरे और पैरों पर टैनिंग की समस्या हो जाती है। अक्सर लोग चेहरे की देखभाल तो करते हैं, लेकिन हाथों को नजरअंदाज कर देते हैं। धीरे-धीरे हाथों की त्वचा

काली, रूखी और बेजान दिखने लगती है। हालांकि कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर टैनिंग को काफी हद तक कम किया जा सकता है। घर में मौजूद प्राकृतिक चीजें त्वचा को साफ, मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करती हैं। टैनिंग हटाने के लिए अपनाएं ये देसी नुस्खे।

नींबू और शहद का इस्तेमाल

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो त्वचा की टैनिंग और दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक चम्मच नींबू का रस लें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को हाथों पर लगाकर लगभग 15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद सादे पानी से धो लें। इससे त्वचा साफ और मुलायम बनती है।

दही और बेसन का पैक

दही त्वचा को ठंडक देता है, जबकि बेसन त्वचा की गंदगी और डेड स्किन हटाने में मदद करता है। इसके लिए 2 चम्मच बेसन में 1 चम्मच दही मिलाएं। चाहें तो इसमें थोड़ा सा हल्दी भी मिला सकते हैं। इस पेस्ट को हाथों पर लगाकर सूखने दें और फिर हल्के हाथों से रगड़ते हुए धो लें। इससे टैनिंग कम होने में मदद मिलती है।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

एलोवेरा त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को ठंडक देते हैं और रंगत निखारने में मदद करते हैं। ताजा एलोवेरा जेल लेकर हाथों पर हल्के हाथों से लगाएं और लगभग 20 मिनट बाद पानी से धो लें। नियमित इस्तेमाल से त्वचा साफ और मुलायम दिखने लगती है।

आलू का रस

आलू में मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा की रंगत हल्की करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें और इसे हाथों पर लगाएं। 10,15 मिनट बाद पानी से धो लें। नियमित इस्तेमाल से धीरे-धीरे टैनिंग कम होने लगती है।

खीरा और गुलाब जल

खीरा त्वचा को ठंडक देता है और गुलाब जल त्वचा को ताजगी देता है। इसके लिए खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिला लें। इस मिश्रण को कॉटन की मदद से हाथों पर लगाएं। इससे त्वचा फ्रेश और साफ महसूस होती है।

टैनिंग से बचने के लिए जरूरी टिप्स

धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

तेज धूप में ज्यादा देर तक रहने से बचें।

बाहर जाते समय हाथों को कपड़े या दुपट्टे से ढककर रखें।

शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं।

अगर इन घरेलू उपायों को नियमित रूप से अपनाया जाए, तो गर्मियों में होने वाली टैनिंग से काफी हद तक राहत मिल सकती है और त्वचा फिर से साफ और चमकदार दिखने लगती है।

बेहद ग्लैमरस हैं ईशान किशन की गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया, देखें तस्वीरें

अदिति हुंडिया का स्टाइल, लुक औ? फैशन सेंस कलाम का है, जो उन्हें और आई कैचिंग बनाता है। यहां देखिए ईशान किशन की गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया की तस्वीरें। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दूसरी बार टी 20 विश्व कप अपने नाम किया। एक ओर जहां देश

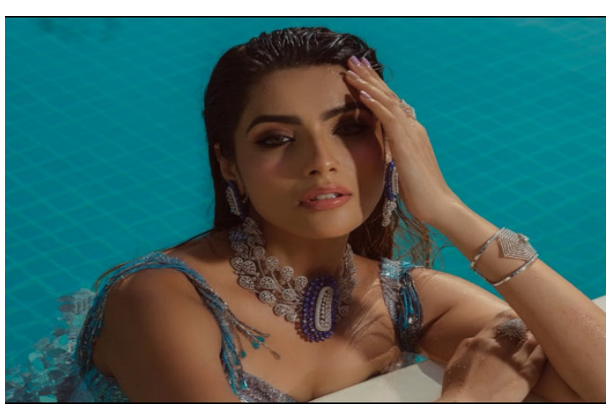

भारतीय टीम की जीत का जश्न मना रहा था, वहीं जब खेल के मैदान में क्रिकेटर इशान किशन अपने गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया के साथ नजर आएं तो फैंस की नजर उनपर टिक गई। मैच के साथ ईशान और उनकी गर्लफ्रेंड अदिति की फोटो और वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। लोग जानना चाहते हैं कि अदिति हुंडिया कौन हैं। अदिति हुंडिया पिछले कुछ वर्षों में कई बार आईपीएल मैचों के दौरान स्टेडियम में नजर आ चुकी हैं। हर बार उनकी मौजूदगी चचाओं को जन्म देती है और सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं। उनका स्टाइल, लुक औ? फैशन सेंस कलाम का है, जो उन्हें और आई कैचिंग बनाता है। यहां देखिए ईशान किशन की गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया की तस्वीरें।

अदिति हुंडिया बेहद ग्लैमरस और स्टाइलिश दिखती हैं। अदिति जयपुर की रहने वाली हैं और पेशे से मॉडल हैं। वह मिस इंडिया फाइनलिस्ट भी रह चुकी हैं। उनका लुक और स्टाइल इस बात को पुख्ता करता है

इंटरनेशनल स्कूल ऑफ जयपुर से शुरूआती शिक्षा के बाद अदिति ने सेंट जेवियर्स कॉलेज से बीबीए की डिग्री हासिल की। साल 2017 में फेमिना मिस इंडिया पेजेंट की फाइनलिस्ट बनकर उभरी।

2018 में मिस दिवा अवार्ड जीतने के बाद से वह लगातार सुर्खियों में रहीं। उनके पास गजब का फैशन सेंस है। अदिति भारतीय पारंपरिक परिधानों, जैसे लहंगा, श ?रा सूट, साड़ी में तो बला की खूबसूरत दिखती ही हैं, साथ ही वेस्टर्न परिधानों को भी अधिक स्टाइल के साथ कैरी करती है।

गैस का गीजर वापस पैक करते समय इन बातों का ध्यान रखें, वरना अगले सीजन इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे

गर्मी का मौसम आ गया है। ऐसे में लोग अपने घरों में लगे गीजर को वापस पैक करके रखने लगे हैं। अगर आपके घर गैस का गीजर है, तो कुछ बातों का ध्यान रखें। गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग अपने घरों में लगे गीजर को अक्सर बंद करके रख देते हैं। खासतौर पर गैस वाले गीजर के मामले में सही तरीके से स्टोर करना और मेंटेनेंस करना बेहद जरूरी है। ऐसा न करने पर गीजर की उम्र कम हो सकती है, गैस लीकेज का खतरा बढ़ सकता है और अगली बार इस्तेमाल में दिक्कत आ सकती है। कई लोग इसे केवल बंद करके रख देते हैं और सुरक्षा नियमों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे नुकसान का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए गर्मी के मौसम में गीजर को स्टोर करने से पहले कुछ जरूरी सावधानियां अपनाना जरूरी है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि गर्मी में गैस गीजर को कैसे सुरक्षित रखें और उसे सुरक्षित तरीके से बंद करके रखें।

सबसे पहले गैस बंद करें

गीजर की गर्मियों में सुरक्षा और मेंटेनेंस बेहद जरूरी है, खासकर जब यह गैस से चलता हो। सबसे पहले गीजर को बंद करना चाहिए और गैस की सप्लाई पूरी तरह रोक दें। इसके लिए गैस सिलेंडर का वाल्व और उससे जुड़ी पाइपलाइन बंद करना अनिवार्य है।

सफाई है बेहद जरूरी

इसके बाद गीजर की साफ-सफाई करें। बर्नर और पाइपलाइन पर जमी धूल-मिट्टी को हटाना जरूरी है ताकि अगली बार इस्तेमाल में कोई समस्या न आए। गीजर के बाहरी हिस्सों और बर्नर को हल्के ब्रश या सूखे कपड़े से साफ किया जा सकता है।

गीजर को पूरी तरह से कवर करें

गीजर को ढककर रखें ताकि वह धूल और नमी से बचा रहे। इसके लिए आप किसी साफ कपड़े या कवर का इस्तेमाल कर सकते हैं। गीजर को ऐसे स्थान पर रखें जहां सीधे सूर्य का प्रकाश या बारिश न पहुंचे। नमी और पानी गैस गीजर के इंजन और पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अगली बार इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें ये बातें

फिर से गीजर का इस्तेमाल करने से पहले उसकी सुरक्षा जांच जरूर करें। गैस लाइन, पाइप और बर्नर की जांच करें। यदि किसी भी जगह लीकेज दिखाई दे या गंध महसूस हो, तो तुरंत किसी योग्य टेक्नीशियन को बुलाकर निरीक्षण कराएं। यह तरीका गीजर की लाइफ बढ़ाने और दुर्घटना से बचने के लिए बेहद जरूरी है।

आंतों का दुश्मन है चाय और बिस्कुट का कॉम्बो, सुबह उठते ही इसे खाने की छोड़ दो आदत

क्या आपकी भी सुबह चाय और बिस्कुट के बिना शुरू नहीं होती? कई लोग इसे हल्का और सुरक्षित नाश्ता मानते हैं लेकिन एक सर्जन के मुताबिक, यह कॉम्बिनेशन धीरे-धीरे आंत की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। सुबह का पहला भोजन आपकी सेहत की नींव तय करता है। तो दिन की शुरूआत पोषण से करें, सिर्फ आदत से नहीं। चलिए जानते हैं चाय

बिस्कुट क्यों है खतरनाक

खाली पेट चाय से बढ़ती है एसिडिटी

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में एसिड ज्यादा बनता है। अगर साथ में बिस्कुट (जो अक्सर मैदा और चीनी से बने होते हैं) खाए जाएं, तो यह एसिडिटी और जलन को बढ़ा सकते हैं। इससे गैस, पेट दर्द, सीने में जलन की समस्या हो सकती है।

बिस्कुट में रिफाइंड मैदा और शुगर

ज्यादातर बाजार में मिलने वाले बिस्कुट में, रिफाइंड मैदा, ज्यादा चीनी ट्रांस फैट या पाम ऑयल होता है। ये चीजें आंत में ह्लअच्छे बैक्टीरियाह्व का संतुलन बिगाड़ सकती हैं। रोज सुबह यह कॉम्बो गट माइक्रोबायोम को कमजोर कर सकता है।

ब्लड शुगर में तेज उतार-चढ़ाव

मीठे बिस्कुट और दूध वाली चाय से शुगर अचानक बढ़ती है, फिर जल्दी गिरती है। इससे जल्दी भूख लगना, थकान, मीठा खाने की क्रेविंग बढ़ सकती है। चाय-बिस्कुट में फाइबर लगभग नहीं होता। फाइबर की कमी से कब्ज, ब्लोटिंग और पाचन की समस्या हो सकती है।

लंबे समय में खतरा

अगर यह आदत सालों तक चले तो फैटी लिवर, वजन बढ़ना, डायबिटीज का जोखिम, क्रॉनिक गैस्ट्रिक समस्या बढ़ सकती है।

रोडवेज बस में क्या 5 चीजें लेकर सफर करना बन सकता है मुसीबत का कारण

अगर आप अक्सर सरकारी बस से सफर करते हैं तो ये लेख आपके लिए जरूरी है। यहां हम आपको बताएंगे कि अपनी यात्रा के दौरान क्या चीजें लेकर नहीं जा सकते। अगर आप अक्सर सरकारी बसों से यात्रा करते हैं तो कुछ जरूरी नियमों के बारे में जानना बेहद जरूरी है। हम आपको ऐसा इसलिए बता रहे हैं, क्योंकि कई बार लोग बिना जानकारी के ऐसी चीजें अपने साथ लेकर बस में चढ़ जाते हैं, जिन्हें ले जाना नियमों के खिलाफ होता है। इससे न केवल यात्रियों की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है बल्कि नियमों का उल्लंघन करने पर जुमार्ना या कार्रवाई भी हो सकती है। परिवहन विभाग ने यात्रियों की सुरक्षा और यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए कुछ वस्तुओं को बस में ले जाने पर रोक लगाई है। अगर आप इन नियमों की जानकारी पहले से रखते हैं तो यात्रा के दौरान किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसलिए बस में सफर करने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि किन चीजों को अपने साथ ले जाना मना है और किन्हें ले जाने की अनुमति होती है।

1. ज्वलनशील पदार्थ नहीं ले जा सकते

सरकारी बसों में पेट्रोल, डीजल, केरोसिन, गैस सिलेंडर या अन्य ज्वलनशील पदार्थ ले जाना सख्त मना होता है।

ये पदार्थ दुर्घटना का कारण बन सकते हैं और यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं।

कई बार इनकी वजह से बड़े हादसे भी हुए हैं, ऐसे में इस गलती को करने से बचें।

2. खतरनाक रसायन और एसिड

ऐसे रसायन जिनसे नुकसान हो सकता है, जैसे एसिड या अन्य खतरनाक केमिकल, बस में ले जाने की अनुमति नहीं होती।

इससे अन्य यात्रियों को खतरा हो सकता है।

ऐसा करने पर आपके खिलाफ कार्रवाई भी हो सकती है।

3. ज्यादा विस्फोटक सामान

पटाखे, विस्फोटक सामग्री या बारूद जैसे सामान को बस में ले जाना प्रतिबंधित होता है।

ये सुरक्षा नियमों के तहत पूरी तरह मना है।

ऐसा इसलिए क्योंकि कई हादसों में देखा गया है कि पटाखों की वजह से बस में आग लगी हो।

4. बहुत बड़े या भारी सामान

कुछ बसों में बहुत बड़े या भारी सामान ले जाने की भी अनुमति नहीं होती।

ऐसा इसलिए क्योंकि इससे अन्य यात्रियों को परेशानी हो सकती है और बस में जगह की समस्या पैदा हो सकती है।

आप अपने सामान को बस की सीट पर नहीं रख सकते।

5. ऐसी वस्तुएं जो यात्रियों को नुकसान पहंचा सकती हैं

किसी भी तरह की खतरनाक या धारदार वस्तुएं जिनसे अन्य यात्रियों को चोट लग सकती है, उन्हें बस में ले जाने से बचना चाहिए।

खासतौर पर बड़े चाकू, तलवार या अन्य वस्तुएं, जो लोगों को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा में शामिल होंगे अखण्ड आर्यावर्त महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी

लखनऊ (संवाददाता)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के सानिध्य में आगामी 11 मार्च को अपराह्न एक बजे काशी राम स्मृति सांस्कृतिक उपवन, पासी किला चौराहा, लखनऊ पहुंच रही गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध यात्रा में अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल ने आज यहां कुर्सी रोड स्थित संगठन के मुख्यालय में प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद बताया कि गोमाता को राज्यमाता घोषित कर प्रदेश में पूर्णतया गो हत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर निकाली जा रही स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में इस यात्रा की शुरूआत करने के लिये काशी के केदारघाट पर गंगा मां की विधिवत आरती के साथ शुक्रवार को की गयी और आज सुबह श्रीचिंतामणि गणेश और संकटमोचन मंदिर में पूजा करने के बाद यात्रा लखनऊ के लिए शुरू हो गयी। शंकराचार्य चार दिनों में छह जिलों में दर्जनभर से अधिक स्थानों पर गो रक्षा के लिए सभाएं करेंगे।

हार्दिक का माहिका-ईशान और अदिति संग भांगड़ा, गावस्कर ने सूर्य के साथ किया डांस; सैमसन भी नाचे

अहमदाबाद। टीम इंडिया की टी20 वर्ल्ड कप जीत के बाद जश्न के कई खास पल सामने आए। हार्दिक पांड्या ने माहिका शर्मा के साथ भांगड़ा किया, जबकि दिग्गज सुनील गावस्कर, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव के साथ अपना आइकॉनिक पोज दिया। मैदान पर खुशी, जश्न और यादगार तस्वीरों का शानदार नजारा देखने को मिला। टी20 विश्वकप 2026 का खिताब भारत ने जीत लिया है। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जमकर जश्न मनाया। लगभग सभी खिलाड़ी अपने अपने परिवार वालों के साथ फाइनल में पहुंचे थे। जीत के बाद सभी खिलाड़ियों के परिवार वाले मैदान पर आए और जश्न का हिस्सा बने। इन पलों ने जीत के जश्न को और भी खास बना दिया। हार्दिक पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ भागड़ा भी करते दिखे। वहीं, हार्दिक ने सुनील गावस्कर, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव के साथ अपना

आइकॉनिक पोज भी दिया। हार्दिक ने माहिका के अलावा ईशान किशन और उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया के साथ भी डांस किया। इसका भी वीडियो सामने आया है। अदिति कल रेड ड्रेस में बेहद क्यूट दिख रही थीं। उनकी फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हुई। ईशान और अदिति के साथ डांस करने की भी चर्चा सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। सैमसन भी डीजे पर डांस करते दिखे। तिलक ने रोहित की पत्नी रितिका को लगाया गले तिलक रोहित शर्मा और उनकी पत्नी रितिका को खूब मानते हैं। ऐसे में रितिका जब भारत की जीत के बाद मैदान पर आईं तो तिलक ने उन्हें गले लगा लिया। तिलक के परिवार वाले भी इस मैच को देखने पहुंचे थे। गंभीर की पत्नी नताशा और उनकी बेटियां भी मैच देखने पहुंची थीं। हार्दिक ने किया आइकॉनिक पोज हार्दिक ने जीत के बाद पिच के बीच में अपना आइकॉनिक पोज भी दिया। उन्होंने दोनों हाथ फैलाए दिखाया कि ये ट्रॉफीज तो उनके लिए आम बात हैं। हार्दिक का ये आइकॉनिक पोज काफी प्रचलित है। कई देशों के युवा खिताब जीतने पर ये पोज दोहराते भी हैं। हार्दिक ने गावस्कर, रङ और ईशान से भी करवाया ऐसा हार्दिक फिर सुनील गावस्कर से मिले। उन्होंने गावस्कर से भी अपना आइकॉनिक पोज करवाया। फिर सूर्यकुमार और ईशान के साथ भी वो पोज दोहराया। गावस्कर ने फिर सूर्यकुमार और शिवम दुबे को भी बधाई दी। वर्ल्ड कप जीतते ही गावस्कर का डांस, रङ के साथ मनाया जश्न भारत के कप्तान सूर्यकुमार के साथ गावस्कर ने मैदान पर जमकर जश्न मनाया और अपने वादे को पूरा किया। टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही सुनील गावस्कर ने भारतीय टीम और सूर्यकुमार यादव से एक मजेदार वादा किया था। उन्होंने कहा था कि अगर भारत अपना खिताब बचाने में सफल रहा तो वह खुशी में डांस करेंगे। क्या वादा किया था गावस्कर ने? गावस्कर ने कहा था, 'जब आप ट्रॉफी उठाएंगे और उसे हासिल करेंगे, तब मैं डांस करना शुरू कर दूंगा। डांस ही मेरा कार्डियो है। बाकी लोग कड़ा कार्डियो करते हैं, लेकिन मेरी उम्र में मैं उतना नहीं कर सकता। इसलिए थोड़ा-बहुत डांस कर लेता हूं। जब अपने कप्तान और देश का झंडा ऊपर जाता हुआ देखते हैं तो भावनाएं अपने आप बाहर आ जाती हैं।' जीत के बाद निभाया अपना वादा आठ मार्च को जैसे ही भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता, गावस्कर अपनी खुशी रोक नहीं पाए। प्रेजेंटेशन से ठीक पहले ब्रॉडकास्ट कैमरों ने उन्हें मैदान पर डांस करते हुए कैद किया। बाद में उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भी डांस किया और टीम के साथ जश्न का हिस्सा बने। यह पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और फैंस ने भी इस खास लम्हे को खूब पसंद किया। सूर्यकुमार यादव की जमकर तारीफ टीम इंडिया की जीत के बाद गावस्कर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर तारीफ की। उनका मानना है कि सूर्यकुमार यादव में नेतृत्व की वही झलक दिखती है जो पहले रोहित शर्मा में दिखाई देती थी। गावस्कर ने कहा, 'वह बेहद शांत और संयमित कप्तान हैं, बिल्कुल रोहित शर्मा की तरह। हमेशा मुस्कुराते रहते हैं और सकारात्मक सोच रखते हैं। ड्रेसिंग रूम में सभी खिलाड़ी उन्हें लीडर के रूप में देखते हैं।' उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट की शुरूआत में अमेरिका के खिलाफ मुश्किल हालात में 84 रन की अहम पारी खेलकर टीम को संभाला था।

टीम इंडिया का अगला लक्ष्य क्या? कप्तान सूर्यकुमार ने किया खुलासा ओलंपिक 2028 का भी किया जिक्र

अहमदाबाद। टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया के अगले लक्ष्य का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि टीम अब अगले टी20 विश्वकप और 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को लेकर भी उत्साहित है और वहां भी देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना चाहती है। सूर्यकुमार यादव ने इतिहास रच दिया है। एमएस धोनी और रोहित शर्मा के बाद सूर्यकुमार भारत के ऐसे तीसरे कप्तान बन गए हैं जिनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप जीता है। भारतीय टीम ने रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता। भारत की खिताबी जीत के बाद सूर्यकुमार यादव ने अपने अगले दो लक्ष्य भी स्पष्ट कर दिए हैं। संन्यास के सवाल पर क्या बोले सूर्यकुमार? 35 साल के हो चुके सूर्यकुमार यादव की विश्व कप के बाद संन्यास की अटकले लगाई जा रही थीं। मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए भारतीय कप्तान ने इन तमाम अटकलों को खारिज करते हुए अपने अगले दो बड़े लक्ष्य स्पष्ट कर दिए। सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में ओलंपिक गोल्ड जीतना है। साथ ही, उसी साल हमें अपने टी20 वर्ल्ड कप खिताब का बचाव भी करना है। इसे भूलिएगा मत।' 2028 तक खेलते रहेंगे सूर्यकुमार? सूर्यकुमार के इस बयान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कम-से-कम अगले दो साल वह कहीं नहीं जाने वाले हैं। सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप 2024 के बाद इस फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी गई थी। उनका लक्ष्य 2026 में खिताब को अपने घरेलू दर्शकों के सामने बचाना था, और इसमें वह सफल रहे। सूर्यकुमार आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों वाले कप्तानों में सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। कुल 52 टी20 मैचों में उन्होंने कप्तानी की है, जिनमें टीम इंडिया ने 42 मैच जीते हैं। 8 मैचों में हार मिली है, और 2 मैचों का परिणाम नहीं आया है। सूर्या की जीत का प्रतिशत 80.77 है। दूसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं। सूर्यकुमार ने छोटी मगर उपयोगी पारियां खेलीं टी20 विश्व कप 2026 के पहले मैच में यूएसए के खिलाफ नाबाद 84 रन की पारी खेल टीम इंडिया को जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार बाद के मैचों में बेशक बड़ी पारियां न खेल पाए हों, लेकिन उनकी छोटी पारियों ने कई मैचों में टीम को संभाला और बड़े स्कोर की नींव रखी।

जीत के बाद दिल्ली-यूपी और अहमदाबाद पुलिस के बीच मजेदार नोकझोंक, उच्च अधिकारियों के पास पहुंचा मामला!

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत के बाद दिल्ली, अहमदाबाद और उत्तर प्रदेश पुलिस के बीच सोशल मीडिया पर मजेदार बातचीत देखने को मिली। पुलिस विभागों ने चुटीले अंदाज में ट्वीट कर जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी और न्यूजीलैंड की हार को लेकर हल्की-फुल्की नोकझोंक की, जो वायरल हो गई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत की शानदार जीत के बाद जहां देशभर में जश्न का माहौल है, वहीं सोशल मीडिया पर भी इसका अलग ही रंग देखने को मिला। भारत की न्यूजीलैंड पर 96 रन की बड़ी जीत के बाद देश के अलग-अलग पुलिस विभागों के बीच ट्विटर पर मजेदार नोकझोंक देखने को मिली। खास बात यह रही कि इस मजाकिया बातचीत के केंद्र में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रहे। दिल्ली पुलिस ने किया मजेदार ट्वीट इस दिलचस्प बातचीत की शुरूआत दिल्ली पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से हुई। दिल्ली पुलिस ने मजाकिया अंदाज में अहमदाबाद पुलिस को टैग करते हुए लिखा, 'प्रिय अहमदाबाद पुलिस, आपको कीवी फैंस की तरफ से गेंद गायब होने की शिकायतें मिल सकती हैं। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है, हमारे बल्लेबाज ही गेंद को स्टैंड में भेज रहे हैं।' यह ट्वीट तेजी से वायरल हो गया और क्रिकेट फैंस को खूब पसंद आया। अहमदाबाद पुलिस ने भी दिया जवाब दिल्ली पुलिस के ट्वीट का जवाब देते हुए अहमदाबाद पुलिस ने भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'इस जानकारी के लिए धन्यवाद। इस मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गई है।' यह जवाब भी सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया और लोगों ने इस मजेदार बातचीत का आनंद लिया। यूपी पुलिस भी कूदी मैदान में कुछ ही देर बाद उत्तर प्रदेश पुलिस भी इस मजेदार ट्विटर बातचीत में शामिल हो गई। यूपी पुलिस ने चुटकी लेते हुए लिखा, 'मामला अब सिर्फ गेंद गायब होने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी बल्लेबाजी लाइन-अप (न्यूजीलैंड की) ही गायब हो गई है।' यह इशारा भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी की ओर था। बुमराह की घातक गेंदबाजी फाइनल मुकाबले में जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को संभलने का मौका ही नहीं दिया। उन्होंने चार विकेट लेकर कीवी टीम की कमर तोड़ दी। न्यूजीलैंड की टीम 255 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। बुमराह के अलावा अक्षर पटेल ने भी तीन विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत को आसान बना दिया।

धोनी के पोस्ट पर गंभीर का जवाब, बोले- आपको देखकर अच्छा लगा माही ने 'कोच साहब' से क्या कहा

अहमदाबाद। माही के पोस्ट पर गंभीर ने अब कमेंट किया है। उन्होंने पोस्ट पर ही रिप्लाई करते हुए धोनी की मौजूदगी की सराहना की है। टी20 विश्वकप जीतने के बाद भारतीय फैंस खुश हैं। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल को देखने के

लिए भारतीय क्रिकेट के कई दिग्गज मौजूद थे, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की हुई। जीत के बाद धोनी ने कोच गौतम गंभीर को लेकर पोस्ट किया था, जिसपर गंभीर ने अब कमेंट किया है। उन्होंने पोस्ट पर ही रिप्लाई करते हुए धोनी की नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूदगी की सराहना की है। कोच साहब को खास अंदाज में दी बधाई टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, जो लंबे समय से सोशल मीडिया पर बेहद कम सक्रिय रहे हैं। हालांकि, 86 हफ्ते बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर टीम को बधाई दी। धोनी फाइनल के दौरान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वीवीआईपी बॉक्स में रोहित शर्मा और जय शाह के साथ मौजूद थे। धोनी ने अपने पोस्ट में गौतम गंभीर का जिक्र करते हुए बेहद दिलचस्प टिप्पणी की। उन्होंने लिखा, 'कोच साहब, मुस्कान आप पर बहुत अच्छी लगती है। मुस्कान के साथ आपकी तीव्रता घातक कॉम्बिनेशन है, बहुत बढ़िया।' गंभीर अपने सख्त और गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं, इसलिए उनकी जीत के बाद की मुस्कान पर धोनी की यह टिप्पणी फैंस को खूब पसंद आई। धोनी ने आगे पूरी टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देते हुए लिखा, 'अहमदाबाद में इतिहास बना है। टीम, सपोर्ट स्टाफ और दुनिया भर के भारतीय क्रिकेट टीम के फैंस को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बेहद खुशी की बात है।' धोनी को गंभीर का जवाब धोनी के पोस्ट पर अब कोच गंभीर ने रिप्लाई किया है। उन्होंने कमेंट बॉक्स में मुस्कान वाली बात पर लिखा- और क्या शानदार वजह है इस मुस्कान के लिए। आपको देखकर अच्छा लगा।' माही ने बुमराह की गेंदबाजी पर भी की खास टिप्पणी धोनी ने अपने पोस्ट में टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी जिक्र किया। हालांकि उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि उनके बारे में ज्यादा कुछ कहना जरूरी नहीं है। धोनी ने लिखा, 'बुमराह के बारे में कुछ न लिखूं तो ही अच्छा है।' चैंपियन गेंदबाज।' दरअसल, फाइनल मुकाबले में बुमराह ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को पूरी तरह परेशान कर दिया था। उन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख पूरी तरह भारत के पक्ष में कर दिया। भारत ने फाइनल में बनाया बड़ा रिकॉर्ड फाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा। संजू सैमसन ने शानदार 89 रन की पारी खेली, जबकि अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। इन दोनों पारियों की बदौलत भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टी20 विश्व कप के फाइनल में यह अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया। न्यूजीलैंड की टीम रही बेबस 256 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरूआत से ही दबाव में दिखी। जसप्रीत बुमराह ने अपने पहले ही स्पेल में रचिन रवींद्र को आउट कर न्यूजीलैंड को बड़ा झटका दिया। टिम साइफर्ट ने जरूर अर्धशतक लगाकर संघर्ष करने की कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। पूरी टीम 19 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। बुमराह ने चार विकेट झटके, जबकि अक्षर पटेल ने भी तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत ने रचा इतिहास इस जीत के साथ ही भारत ने टी20 विश्व कप इतिहास में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया अब पुरुष टी20 विश्व कप तीन बार जीतने वाली पहली टीम बन गई है। भारत ने इस मामले में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज को पीछे छोड़ दिया। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव भी उन चुनिंदा कप्तानों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने भारत को विश्व कप जिताया है। इस सूची में कपिल देव, महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर जैसे दिग्गज कप्तानों के नाम शामिल हैं। भारत की इस ऐतिहासिक जीत के बाद फैंस के साथ-साथ क्रिकेट जगत की कई बड़ी हस्तियों ने टीम को बधाई दी, लेकिन धोनी की इंस्टाग्राम पोस्ट और गंभीर के जवाब ने पूरे जश्न में एक खास भावनात्मक पल जोड़ दिया।

सवाल पर सिराज ने ली चुटकी, कहा- बेंच पर बैठकर खिलाड़ियों को पानी पिलाना

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सिराज टीम की जीत में अपने और कुलदीप यादव की भूमिका पर बात कर रहे हैं। भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब लगातार दूसरी बार अपने नाम कर लिया है। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया। भारत की जीत पर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी बहुत खुश हुए जिन्हें इस टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। ये दोनों खिलाड़ी 2024 टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे। सिराज ने टीम संयोजन को बताया अहम भारत की जीत के बाद जब खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारणकर्ता ने कुलदीप और सिराज से टीम की जीत के बारे में सवाल किया। सिराज से पूछा गया कि जीत में आप लोगों की भूमिका कितनी बड़ी है? इस पर सिराज ने चुटकी लेते हुए कहा, हम लोगों (कुलदीप और सिराज) की भूमिका बहुत बड़ी है। हमने लगातार बेंच पर बैठकर खिलाड़ियों को पानी पिलाया है। नेट्स पर गेंदबाजी कराई है और टीम का माहौल भी सकारात्मक रखा है। सभी खिलाड़ी चाहता है कि वह खेले, लेकिन टीम संयोजन ज्यादा जरूरी है। जीत पर कुलदीप ने रखी राय सिराज ने कहा, 'मैं तो पहले विश्व कप टीम का हिस्सा भी नहीं था, लेकिन ऊपरवाले ने स्क्रिप्ट लिखी और मुझे यहां पर भेजा और चैंपियन बना दिया। उनकी स्क्रिप्ट को कोई नहीं मिटा सकता है।'

ये सिर्फ भगवान का प्लान नहीं', खिताबी जीत पर बोले भारतीय कोच फैंस का इस तरह जताया आभार

नई दिल्ली। भारत की खिताबी जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भारतीय प्रशंसकों को धन्यवाद दिया है। गंभीर ने इन फैंस की सराहना की है और टी20 विश्व कप की जीत का श्रेय देने से भी पीछे नहीं हटे हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्व कप की खिताबी जीत का श्रेय करोड़ों प्रशंसकों को भी दिया है, जिन्होंने हर कदम पर टीम का साथ दिया। भारत ने रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया। भारत एकमात्र देश है जिसने इस टूर्नामेंट के खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया है। भारत तीसरी बार बना टी20 का चैंपियन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत के 255 रन के जवाब में न्यूजीलैंड 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया ने तीसरी बार टी20 विश्वकप का खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2007 में पहले संस्करण और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब जीती थी। सूर्यकुमार यादव का भी नाम विश्व विजेता कप्तानों में शुमार हो गया है। अहमदाबाद में साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्वकप में हार के बाद कई बातें कही गई थीं, लेकिन अब टीम इंडिया ने चैंपियन बनते हुए इतिहास दोहराया भी, हराया भी और नया इतिहास भी रच दिया। भारत की खिताबी जीत के बाद गंभीर ने एक्स पर लिखा, 'ये सिर्फ भगवान का प्लान नहीं था, बल्कि ये 140 करोड़ भारतीयों का प्लान भी था। हर एक खिलाड़ी विश्व चैंपियन है।' गंभीर ने इस तरह भारतीय प्रशंसकों को भी उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। इन तीन लोगों को दिया जीत का श्रेय गंभीर ने खिताबी जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गंभीर ने इस दौरान राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और अजीत अगरकर को जीत का श्रेय दिया था। गंभीर ने कहा था, सबसे पहले मुझे लगता है कि मुझे यह ट्रॉफी राहुल द्रविड़ और फिर लक्ष्मण को समर्पित करनी चाहिए, क्योंकि राहुल ने भारतीय क्रिकेट को इतनी अच्छी हालत में रखने के लिए जो कुछ किया है, मुझे उनके समय में किए गए हर काम के लिए उन्हें धन्यवाद देना होगा। फिर वीवीएस लक्ष्मण जिन्होंने बिना किसी शर्त के भारतीय क्रिकेट के लिए इतना कुछ किया, विशेषकर बंद दरवाजों के पीछे क्योंकि सीओई भारतीय क्रिकेट के लिए पाइपलाइन बना हुआ है।

टी20 विश्वकप जीत का पल फीका पड़ा? कमेंटेटर रवि शास्त्री की बड़ी चूक, सोशल मीडिया पर हुए ट्रोल

अहमदाबाद। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के दौरान कमेंट्री कर रहे रवि शास्त्री बड़ी गलती कर बैठे। उन्होंने आखिरी विकेट को नौवां विकेट बता दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना शुरू हो गई। हालांकि भारत के लिए यह जीत क्रिकेट इतिहास का यादगार पल बन गई। टी20 विश्वकप 2026 के फाइनल में भारत ने इतिहास रचते हुए न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जैसे ही न्यूजीलैंड का आखिरी विकेट गिरा, पूरा स्टेडियम जश्न में डूब गया। यह पल भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक था, लेकिन इसी ऐतिहासिक क्षण के दौरान कमेंट्री कर रहे पूर्व भारतीय कोच और दिग्गज खिलाड़ी रवि शास्त्री एक बड़ी गलती कर बैठे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना होने लगी। आखिरी विकेट को बता दिया 'नौवां' भारत की जीत जैसे ही पक्की हुई, करोड़ों दर्शक टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उस पल को देख रहे थे। उसी दौरान रवि शास्त्री ने कमेंट्री करते हुए आखिरी विकेट को 'नौवां विकेट' बता दिया। इतने बड़े मैच के निर्णायक पल में हुई इस गलती को फैंस ने तुरंत पकड़ लिया। सोशल मीडिया पर इस पर चर्चा शुरू हो गई और कई लोगों ने इसे बेहद शर्मनाक भूल बताया। सोशल मीडिया पर हुए ट्रोल कमेंट्री में हुई इस गलती के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञों ने कहा कि इतने बड़े ऐतिहासिक मौके पर ऐसी गलती नहीं होनी चाहिए थी। कुछ लोगों ने इसे 'भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे अहम पल में हुआ अविश्वसनीय ब्रेन फेड' बताया। उनका कहना था कि ऐसे क्षण बार-बार टीवी पर दोहराए जाते हैं और हमेशा याद रखे जाते हैं। 2011 की मशहूर कमेंट्री से तुलना रवि शास्त्री का नाम क्रिकेट कमेंट्री की दुनिया में एक खास जगह रखता है। खासकर 2011 वनडे विश्वकप फाइनल में उनकी मशहूर लाइन आज भी क्रिकेट फैंस को याद है। उस समय एमएस धोनी के विजयी छक्के पर उन्होंने कहा था, 'धोनी फिनिशेज इट ऑफ इन स्टाइल।' यह लाइन क्रिकेट इतिहास की सबसे आइकॉनिक कमेंट्री में गिनी जाती है, लेकिन 15 साल बाद उसी कमेंटेटर से फाइनल के निर्णायक पल में हुई गलती ने फैंस को निराश कर दिया। दूसरे कमेंटेटरों का भी हुआ जिक्र कई फैंस ने सोशल मीडिया पर यह भी कहा कि अगर उस समय कमेंट्री बॉक्स में इयान बिशप या इयान स्मिथ जैसे कमेंटेटर होते तो शायद वह इस पल को और यादगार बना देते। फैंस का मानना था कि इतने बड़े मौके पर एक ऐसी लाइन होनी चाहिए थी जो आने वाले कई वर्षों तक याद रखी जाती। सोशल मीडिया पर वायरल हुई पोस्ट एक सोशल मीडिया पोस्ट में रवि शास्त्री की इस कमेंट्री को लेकर मजाक भी किया गया। पोस्ट में कहा गया कि शायद उन्होंने टॉस के दौरान ही अपनी सारी ऊर्जा खर्च कर दी थी, इसलिए मैच के सबसे बड़े पल पर उनके पास कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं बचा। यह पोस्ट कुछ ही समय में दो लाख से ज्यादा लोगों तक पहुंच गई और इस पर हजारों प्रतिक्रियाएं आईं। भारत के लिए यादगार रात हालांकि इस विवाद के बावजूद भारत के लिए यह रात बेहद खास रही। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में 255/5 का विशाल स्कोर बनाया। संजू सैमसन ने 89 रन की शानदार पारी खेली, जबकि अभिषेक शर्मा ने 52 रन बनाए। इसके अलावा ईशान किशन ने भी तेज अर्धशतक जड़ा। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लेकर न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, जबकि अक्षर पटेल ने तीन विकेट लेकर जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने यह मुकाबला 96 रनों से जीतकर इतिहास रच दिया और लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गई।

विश्वकप जीत के हीरो सैमसन को केरल सरकार करेगी सम्मानित

नई दिल्ली। संजू सैमसन को उनके शानदार प्रदर्शन के बाद अपने गृह राज्य केरल में भव्य सम्मान मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने सैमसन का विशेष सम्मान करने का फैसला किया है। टी20 विश्व कप 2026 के हीरो बने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को उनके शानदार प्रदर्शन के बाद अपने गृह राज्य केरल में भव्य सम्मान मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने सैमसन का विशेष सम्मान करने का फैसला किया है। इस बीच सैमसन ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपनी पत्नी को खास तौर पर धन्यवाद कहा है। केरल सरकार करेगी सैमसन को सम्मानित राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने घोषणा की कि टी20 विश्व कप फाइनल में भारत को शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले इस स्टार क्रिकेटर का राज्य सरकार की ओर से भव्य स्वागत और सम्मान किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सैमसन की सफलता पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है और उनकी उपलब्धि ने हजारों युवा क्रिकेटरों को प्रेरित किया है। राजधानी तिरुवनंतपुरम में आयोजित होने वाले इस सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। सैमसन ने दिलाई भारत को ऐतिहासिक जीत टी20 विश्व कप 2026 में सैमसन ने शुरूआती मैचों में जगह नहीं बनाई थी। उन्हें ग्रुप स्टेज में सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। इसके बाद सुपर-8 में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्हें मौका मिला, जहां उन्होंने 15 गेंदों पर 24 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए नॉकआउट मुकाबलों में धमाकेदार प्रदर्शन किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जैसे अहम मैच में सैमसन ने 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन की पारी खेलकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। फिर सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 42 गेंदों पर 89 रन बनाए। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 46 गेंदों पर 89 रन की शानदार पारी खेली और भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। भारत तीसरी बार जीता टी20 विश्व कप खिताब भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जहां टीम इंडिया ने शानदार जीत दर्ज करते हुए इतिहास रच दिया।

रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी इंदिरा नगर लखनऊ द्वारा होली मिलन समारोह मनाया गया

लखनऊ (संवाददाता)। वसुंधरा एन्क्लेव फेज 1 इंदिरा नगर सेक्टर 11 इंदिरा नगर लखनऊ निवासियों द्वारा होली मिलन समारोह बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया, वसुंधरा एन्क्लेव के कॉलोनी वासियो ने विगत वर्षो की भांति होली मिलन समारोह आयोजित किया, कॉलोनी वासियो का मनना है की इससे भाई चारे की भवना के साथ ही रिस्तो में मजबूती बढ़ेगी, इस अवसर पर फूलो की होली के साथ ही फाग गान मंडली, महिलाओं एवं नन्हे मुन्ने बच्चो ने अपनी प्रस्तुति नृत्य होली गीत एवं भक्ति गीत से दी निहारिका श्रीवास्तव एवं मनु श्रीवास्तव ने बच्चों के कार्यक्रम का संचालन किया। उपस्थित एवं प्रतिभागी जिसमें प्रमुख रूप से डॉ अलका सिंह, गीता सैनी, रंजना श्रीवास्तव, नीलम राय, रीना राय, रोशनी सेठ, रोली गुप्ता, दीप्ति सैनी, सागरिका मिश्रा, नमिता मिश्रा, अमृता श्रीवास्तव, इशिता शुक्ला, विद्या वाजपेई, संजना वाजपेई, रेनू राय, कमलेश सेठ, सोनी सेठ, कुसुम द्विवेदी, नूतन श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव, संध्या यादव, सीमा यादव, ममता गुप्ता, शीला गुप्ता, कविता सिंह, इमी श्रीवास्तव, सेतु सेठ, इत्यादि रही, इस अवसर पर स्थानीय पार्षद राम कुमार वर्मा, संजीव कुमार सिंह (अध्यक्ष), अनिल बाजपेयी, राजेश द्विवेदी,, राजेश राय, सुधांशु सैनी, विवेक श्रीवास्तव, पी. एस. लाल श्रीवास्तव, सतीश कुमार तिवारी, आर. के. सैनी, आदिनाथ राय, गंगा सिंह, अवधेश्वर सहाय, भारद्वाज, प्रवेश राय, उत्कर्ष तिवारी इत्यादि पदाधिकारी मौजूद रहे।

नूपुर ने पति स्टेबिन बेन के जन्मदिन पर शेयर की रोमांटिक तस्वीरें

कृति सेनन ने लुटाया जीजा पर प्यार

नूपुर सेनन के पति और सिंगर स्टेबिन बेन का आज 9 मार्च को जन्मदिन है। इस खुशी में नूपुर और कृति सेनन ने स्टेबिन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। आज स्टेबिन बेन अपना 33वां जन्मदिन मना रहे हैं। स्टेबिन के जन्मदिन पर उनकी पत्नी नूपुर ने कई रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। वहीं नूपुर की बहन और बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने भी जीजा स्टेबिन के लिए एक प्यारी बात लिखी है। नूपुर ने शेयर की रोमांटिक तस्वीरें नूपुर ने आज इंस्टाग्राम स्टोरी पर पति स्टेबिन बेन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और साथ ही कई रोमांटिक तस्वीरें भी शेयर की हैं। पहली तस्वीर नूपुर और स्टेबिन की शादी की है। जिसमें स्टेबिन प्यार से नूपुर के हाथों को किस करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ नूपुर ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे हस्बैंड।' दूसरी तस्वीर दूसरी तस्वीर में नूपुर और स्टेबिन रोमांटिक पोज में नजर आ रहे हैं। दोनों ने पीले रंग की ड्रेस कैरी की हुई है। नूपुर ने इस दूसरी तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि मैं आपकी कितनी शुक्रगुजार हूं।' तीसरी तस्वीर तीसरी तस्वीर में नूपुर और स्टेबिन एक-दूजे के गले मिलते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर दोनों की शादी के समय की है। इस रोमांटिक तस्वीर के साथ नूपुर ने कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरी सबसे सुरक्षित जगह हो, जहां मैं पूरी तरह से मैं बन पाती हूं।' चौथी तस्वीर चौथी तस्वीर भी नूपुर और स्टेबिन की शादी की तस्वीरों में से एक है। इस तस्वीर में स्टेबिन प्यार से नूपुर के माथे पर किस करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ नूपुर ने कैप्शन में लिखा, 'हर दिन मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद।' कृति ने लुटाया जीजा स्टेबिन पर प्यार स्टेबिन बेन के जन्मदिन पर नूपुर की बहन और बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने अपने जीजा को शुभकामनाएं दी हैं। कृति ने स्टेबिन के जन्मदिन पर दो प्यारी तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं।

यश राज फिल्म्स ने अल्फा की थिएट्रिकल रिलीज डेट का किया ऐलान

यश राज फिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर अल्फा की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आलिया भट्ट अभिनीत यह फिल्म अब 10 जुलाई 2026 को

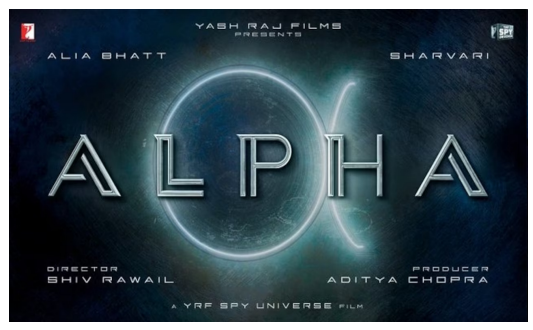

सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस घोषणा के साथ ही यश राज फिल्म्स, आलिया भट्ट और शर्वरी ने सोशल मीडिया पर एक बिल्कुल नया टीजर पोस्टर भी साझा किया। इस पोस्टर में आलिया भट्ट का एक नया और बेहद दमदार एक्शन अवतार दिखाई दे रहा है, जिसमें वह चोटों और कट के निशानों से भरी हुई नजर आ रही हैं कृमानो किसी खूनखराबे वाली भिड़ंत के बाद की स्थिति हो। अल्फा में आलिया भट्ट के साथ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की उभरती स्टार शर्वरी नजर आएंगी। यह एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर है, जिसमें अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में आलिया और शर्वरी का आमना-सामना बॉबी देओल से होने वाला है, जहां यह दोनों एक क्रूर और तीव्र टकराव में दिखाई देंगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की यश राज फिल्म्स के साथ पहली फिल्म है। साथ ही यह भारत की पहली ऐसी महिला-प्रधान पूर्ण एक्शन फिल्म है, जिसमें आलिया और शर्वरी मिलकर ऐसे एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी, जैसा दर्शकों ने अब तक किसी अभिनेत्री को बड़े पर्दे पर करते नहीं देखा होगा।अल्फा का निर्देशन शिव रवैल ने किया है, जिन्होंने इससे पहले यश राज फिल्म्स की वैश्विक स्तर पर सफल वेब सीरीज द रेलवे मेन का निर्देशन किया था। इस फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है।

लंदन बैठी अनुष्का शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप की जीत का मनाया जश्न

खास अंदाज में दी टीम इंडिया को बधाई

पूरा देश इस वक्त साल 2026 के टी20 वर्ल्ड कप की जीत का जश्न मना रहा है। टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को धूल चटाने के बाद सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक लोग इंडिया की जीत के जश्न

में डूबे नजर आ रहे हैं। सेलेब्स भी सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते दिख रहे हैं और इंडिया टीम को बधाई दे रहे हैं। इसी बीच भारत टीम की जीत पर लंदन बैठी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा का भी पोस्ट सामने आया, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। अनुष्का शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए टीम इंडिया की जीत पर अपनी खुशी और सम्मान जाहिर किया। उन्होंने जीत की फोटो शेयर कर साथ में लिखा, इस शानदार जीत के लिए इस शानदार टीम को दिल से बधाई! बैक टू बैक वर्ल्ड कप जीत! इसके साथ ही अनुष्का ने ताली बजाने वाली, ब्लू हार्ट और भारतीय झंडे की इमोजी का इस्तेमाल भी किया है। एक्ट्रेस का ये पोस्ट आते ही वायरल हो गया और फैंस इसे जमकर लाइक कर रहे हैं। बता दें, बेटी वामिका के जन्म के बाद ही से अनुष्का शर्मा फिल्मों से दूर हैं। इन दिनों वह अपनी बेटी और बेटे अकाय की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रही हैं। हालांकि, जल्द ही वो फिल्म चकदा एक्सप्रेस में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह क्रिकेटर गुंजन सक्सेना की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

शादी समारोह में ब्लू ट्विनिंग कर पहुंचे ऐश्वर्या-अभिषेक

अंबानी फैमिली संग सलमान के गाने पर किया डांस

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड के चर्चित कपल्स में से एक हैं, जो अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले दिनों तक खबरें चली थीं कि ऐश्वर्या-अभिषेक की लाइफ में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। दोनों जल्द ही तलाक लेने जा रहे थे, लेकिन इन सब अफवाहों को कपल ने हमेशा एक साथ स्पॉट होकर सिरे से खारिज किया। अलग होने की अफवाहों के बीच दोनों कई जगह एक साथ स्पॉट हुए, जिसे देख ट्रोलर्स की बोलती बंद हो गईं। वहीं, अब एक बार फिर ऐश्वर्या-अभिषेक को एक शादी फंक्शन में भी साथ देखा गया, जहां दोनों अपनी ट्विनिंग से सबका दिल जीतते नजर आए। दरअसल, ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन हाल ही में अपनी बेटी संग मुंबई में आयोजित एक भव्य शादी समारोह में शामिल हुए, जहां उनकी मौजूदगी ने पूरे इवेंट की रौनक बढ़ा दी। यह शादी बिजनेसमैन मुदित दानी और अनन्या दानी की थी, जिसमें कई अन्य सेलिब्रेटीज भी शामिल हुए। 7 मार्च को हुए इस समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। शादी में अभिषेक और ऐश्वर्या का स्टाइलिश लुक काफी चर्चा में रहा। दोनों ने शिमरी नेवी ब्लू कलर के आउटफिट पहने, जिसमें वे बेहद आकर्षक लगे। इस खास मौके पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी ने भी कई तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किए, जिनमें वह अभिषेक और ऐश्वर्या के साथ नजर आए। एक तस्वीर में ओरी के साथ ऐश्वर्या और अभिषेक सेल्फी के लिए पोज देते दिखाई दे रहे हैं। वहीं एक और तस्वीर में अभिषेक अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ नजर आए, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। इस शादी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय स्टेज पर डांस करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दोनों अंबानी परिवार के साथ सलमान खान के मशहूर गाने सलाम-ए-इश्क पर थिरकते नजर आ रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन जल्द ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वह फिल्म किंग में दिखाई देंगे, जिसमें शाहरुख खान, सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और रानी मुखर्जी जैसे बड़े सितारे भी शामिल हैं। इसके अलावा वह फिल्म राजा शिवाजी में भी नजर आएंगे, जिसमें एक्टर रितेश देशमुख मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वहीं ऐश्वर्या राय बच्चन की बात करें तो उन्होंने फिलहाल अपनी अगली फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

अमेरिकन पॉप-स्टार रिहाना के घर पर फायरिंग

टेस्ला कार में बैठी महिला ने चलाई धड़ाधड़ 10 गोलियां

अमेरिकन पॉप स्टार रिहाना को लेकर एक शॉकिंग खबर सामने आई है। बीते दिन रविवार को सिंगर के घर पर फायरिंग की घटना हुई, जिसका पता चलते ही पुलिस एक्टिव हो गई और इस मामले में एक 30 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया। ये हमला

तब हुआ जब रिहाना अपने घर के अंदर ही थीं। रिहाना के घर ये फायरिंग की घटना 8 मार्च की दोपहर को हुई। फायरिंग की जानकारी मिलते ही पुलिस एक्शन में आ गई और करीब 1:21 बजे घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। इसके बाद पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी महिला अपनी कार में थी और गाड़ी के अंदर से ही उसने रिहाना के घर पर कई राउंड फायरिंग की और तुरंत वहां से फरार हो गई। सबसे पहले घटना की जानकारी देने वाले शख्स ने बताया कि महिला एक व्हाइट कलर की टेस्ला कार में मौजूद थी और उसने रिहाना के घर पर करीब 10 राउंड फायरिंग की। घटना के दौरान रिहाना घर के अंदर थीं। गनीमत यह रही कि रिहाना को कोई आंच नहीं आई और वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। पुलिस के मुताबिक फायरिंग में कोई भी घायल नहीं हुआ है। हालांकि फिलहाल आरोपी की पहचान को उजागर नहीं किया गया है। इसके अलावा, आरोपी के फायरिंग के मकसद के बारे में पता नहीं चल पाया है। वहीं सिंगर रिहाना की ओर से भी इस घटना पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

यौन उत्पीड़न मामले में 'मंजुम्मेल बॉयज' के निर्देशक चिदंबरम को कोर्ट से मिली राहत, अदालत ने सशर्त दी जमानत

'मंजुम्मेल बॉयज' के निर्देशक चिदंबरम को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। ये राहत 2022 के एक मामले में मिली है। जानिए क्या है पूरा मामला और कोर्ट ने निर्देशक पर लगाईं क्या पाबंदियां? मलयालम फिल्म 'मंजुम्मेल बॉयज' के निर्देशक चिदंबरम को 7 मार्च को एर्नाकुलम जिला एवं सत्र न्यायालय से अग्रिम जमानत मिल गई है। यह जमानत मई 2022 में हुई एक घटना के बाद दर्ज यौन उत्पीड़न की शिकायत के आधार पर दी गई। न्यायालय ने कुछ शर्तें भी लगाईं, जिनमें चिदंबरम को जांच में सहयोग करना, सबूतों से छेड़छाड़ न करना और गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास न करना शामिल है। एक अभिनेत्री ने दर्ज कराई थी शिकायत शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर एर्नाकुलम दक्षिण पुलिस स्टेशन में 28 फरवरी को मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता एक अभिनेत्री ने दावा किया कि फिल्म निमार्ता ने 2022 में कोच्चि के एक अपार्टमेंट में उनके साथ दुर्व्यवहार किया था। अधिकारियों ने निर्देशक पर बीएनएस की धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना) और धारा 75 (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया है। चिदंबरम की जमानत याचिका 3 मार्च को दाखिल की गई थी और अदालत ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। चिदंबरम ने जवाबी याचिका दायर की लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, चिदंबरम ने अपनी याचिका में कहा कि उनकी मुलाकात शिकायतकर्ता से फिल्म 'मंजुम्मेल बॉयज' के निर्माण के दौरान हुई थी, जहां उन्हें एक भूमिका के लिए चुना जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि उनका व्यवहार पेशेवर था और आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए एक अभियान शुरू किया। शिकायतकर्ता ने इंस्टाग्राम पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए एक रील पोस्ट की थी और उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में उसके खिलाफ हजार्ने का मुकदमा दायर किया था। दिसंबर 2025 में एक अंतरिम आदेश जारी किया गया था जिसमें उसे मानहानिकारक समाचार प्रकाशित करने से रोक दिया गया था। अदालत ने कही ये बात अदालत ने जमानत देते हुए पिछले आपराधिक रिकॉर्ड की कमी और याचिका दायर करने में देरी का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

ईद के बाद हो यूपी बोर्ड की कॉपियों का मूल्यांकन- आप

लखनऊ (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने योगी आदित्यनाथ सरकार से मांग की है कि यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य ईद-उल-फितर के बाद शुरू कराया जाए ताकि शिक्षक अपने धार्मिक पर्व को सम्मानपूर्वक मना सकें। महेंद्र सिंह ने कहा कि जिस प्रकार हिंदू समाज के लिए होली और दीवाली अत्यंत महत्वपूर्ण और बड़े पर्व होते हैं, उसी प्रकार मुस्लिम समाज के लिए ईद भी बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण त्योहार है। सरकार का दायित्व है कि वह सभी धर्मों और समुदायों की भावनाओं का समान रूप से सम्मान करे और ऐसा कोई निर्णय न ले जिससे किसी समुदाय को अपने त्योहार मनाने में असुविधा हो। वर्तमान में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा मूल्यांकन कार्य 18 मार्च से शुरू कराने की तैयारी की जा रही है, जबकि इसी अवधि में 20 मार्च को अलविदा जुमे की नमाज और 21 मार्च को ईद-उल-फितर का महत्वपूर्ण पर्व पड़ रहा है। मूल्यांकन कार्य के दौरान अक्सर सार्वजनिक अवकाश निरस्त कर दिए जाते हैं और रविवार को भी कॉपियों की जांच कराई जाती है। ऐसी स्थिति में हजारों शिक्षक, विशेषकर मुस्लिम शिक्षक, अपने सबसे बड़े धार्मिक पर्व को परिवार और समाज के साथ पूरी तरह से नहीं मना सकेंगे। यह शिक्षकों की भावनाओं की अनदेखी है और सामाजिक समरसता की दृष्टि से भी उचित नहीं है। सरकार को व्यावहारिक निर्णय लेते हुए यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य ईद के बाद शुरू कराने का निर्णय लेना चाहिए ताकि सभी शिक्षक अपने त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मना सकें और मूल्यांकन कार्य बेहतर ढंग से संपन्न हो सके।

इंडोनेशिया के सबसे बड़े लैंडफिल में कचरे का पहाड़ ढहा

कई लोग मलबे में दबे; 5 लोगों की मौत

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया में कचरे का विशाल ढेर गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई और कई लापता हैं। भारी मशीनों और खोजी कुत्तों की मदद से बचाव कार्य जारी है। यह साइट क्षमता से अधिक भर चुकी है, जिसके चलते यह हदसा हुआ है। इंडोनेशिया के सबसे बड़े लैंडफिल में कचरे का एक बड़ा ढेर ढह गया। इस घटना में अबतक पांच लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह हादसा रविवार देर रात हुई भारी बारिश के कारण हुआ। यह हादसा राजधानी जकार्ता के पास बेकासी शहर में स्थित बंटारगेबांग वेस्ट ट्रीटमेंट फैसिलिटी में रविवार देर रात हुआ। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए 300 से ज्यादा बचाव कर्मियों को तैनात किया गया है। बचाव दल भारी मशीनों और खोजी कुत्तों की मदद ले रहे हैं। जकार्ता सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस की प्रमुख देसियाना कार्तिका बहारी ने बताया कि कचरे के ढेर काफी अस्थिर हैं, इसलिए बचाव दल बहुत सावधानी से काम कर रहे हैं। हादसे का शिकार हुए लोगों में दो कचरा ट्रक ड्राइवर और दो खाने की दुकान चलाने वाले लोग शामिल हैं। ये लोग लैंडफिल के पास काम कर रहे थे या आराम कर रहे थे। राहत की बात यह रही कि चार लोग इस हादसे से सुरक्षित बचने में कामयाब रहे। पुलिस, सेना और वॉलंटियर्स की टीमें अभी भी तीन लापता लोगों की तलाश कर रही हैं। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अभी यह डेटा इकट्ठा किया जा रहा है कि मलबे के नीचे कितनी गाड़ियां और मजदूर फंसे हो सकते हैं। नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के वीडियो में खुदाई करने वाली मशीनें कचरे के ढेर को हटाती दिख रही हैं। वहां कई ट्रक और खाने की छोटी दुकानें दबी हुई हैं। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बचाव टीमों को सख्त सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी है। वहीं मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में बारिश की संभावना जताई है। बंटारगेबांग लैंडफिल में जकार्ता का ज्यादातर घरेलू कचरा आता है। यह जगह अपनी क्षमता से बहुत ज्यादा भर चुकी है और इसे लेकर पहले भी कई बार चेतावनी दी गई थी। इससे पहले जनवरी में फिलीपींस में भी ऐसा ही हादसा हुआ था। साल 2005 में इंडोनेशिया के बांडुंग में भारी बारिश के बाद कचरा गिरने से 31 लोगों की जान गई थी। सरकार ने पिछले साल के अंत में इस लैंडफिल को साफ करने के लिए दो साल का समय तय किया था। नए नियमों के तहत अब कचरे को बिजली या ऊर्जा में बदलने की योजना पर काम चल रहा है। इसके लिए निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि खुले में कचरा फेंकने की पुरानी व्यवस्था को बदला जा सके।

हमलों से तबाही जारी; कैसे बढ़ता गया संघर्ष, किस दिन क्या हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुआ युद्ध तेजी से पूरे क्षेत्र में फैल गया। शुरूआत में अमेरिका-इस्त्राइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई मारे गए, जिसके बाद ईरान ने मिसाइल और ड्रोन हमलों से जवाब दिया। आइए पूरे घटनाक्रम पर नजर डालते हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान के बीच शुरू हुआ युद्ध तेजी से पूरे क्षेत्र में फैल गया है। 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने कुछ ही दिनों में लेबनान, खाड़ी देशों और वैश्विक ऊर्जा बाजारों तक असर डाल दिया। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं और प्राकृतिक गैस आपूर्ति भी प्रभावित हुई। नीचे समझिए 10 दिनों में यह युद्ध कैसे आगे बढ़ा।

पहला दिनः अमेरिका-इस्त्राइल का बड़ा हमला

28 फरवरी को अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान के सैन्य ठिकानों, मिसाइल लॉन्च साइट्स और रणनीतिक संस्थानों पर बड़ा संयुक्त हमला किया। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह सहित कई शहर निशाने पर रहे। सबसे बड़ा घटनाक्रम ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत रही। बताया गया कि इस्त्राइल की ब्लू स्पैरो मिसाइल उनके सुरक्षित परिसर पर गिरी, जिससे 86 वर्षीय नेता और कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मारे गए। इसके जवाब में ईरान ने तुरंत मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए। दूसरा दिनः ईरान की जोरदार जवाबी कार्रवाई दूसरे दिन ईरान ने इस्त्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन की कई लहरें दागीं। कुछ मिसाइलें इंफ्रास्ट्रक्चर पर गिरीं, हालांकि कई को इजरायल की एयर डिफेंस ने रोक लिया। इसी दौरान अमेरिका ने भी ईरान के मिसाइल लॉन्चर, एयर डिफेंस सिस्टम और रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़े ठिकानों पर हमले तेज कर दिए। तीसरा दिनः हिजबुल्ला ने खोला नया मोर्चा तीसरे दिन लेबनान के संगठन हिजबुल्ला ने दक्षिण लेबनान से उत्तरी इस्त्राइल पर रॉकेट दागे। इसके जवाब में इस्त्राइल ने बेरूत के दक्षिणी इलाकों और लेबनान में कई ठिकानों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में 200 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई।

पश्चिम एशिया संकट के बीच तेल बाजार में स्थिरता लाने के लिए अमेरिका सख्त

ट्रंप प्रशासन का बयान आया सामने

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने कहा है कि वह वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए बड़े तेल उत्पादकों और उपभोक्ताओं के साथ काम कर रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि ट्रंप प्रशासन आपूर्ति संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल आपूर्ति पर पड़ रहे असर के बीच अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने की बात कही है। अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन दुनिया के बड़े तेल उत्पादकों, उपभोक्ताओं और रिफाइनरियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखना और आपूर्ति को संतुलित रखना है। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर अर्थव्यवस्था है। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह साझा लक्ष्य है और दुनिया के कई देश इसमें सहयोग कर रहे हैं। बेसेंट ने उन देशों का भी धन्यवाद किया जो ऊर्जा बाजार में संतुलन बनाए रखने के इस प्रयास में साथ दे रहे हैं। वैश्विक तेल बाजार को स्थिर रखने के लिए अमेरिका क्या कर रहा है? स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिका तेल उत्पादन और आपूर्ति से जुड़े देशों के साथ लगातार संपर्क में है। उनका कहना

है कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में अचानक होने वाले उतार-चढ़ाव से दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। इसलिए अमेरिका तेल उत्पादकों, उपभोक्ताओं और रिफाइनरियों के साथ मिलकर आपूर्ति को संतुलित रखने की कोशिश कर रहा है। उनका कहना है कि यह कदम वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है। भारत को रूसी तेल खरीदने की 30 दिन की छूट क्यों दी गई? बेसेंट ने एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका ने भारत को 30 दिन की अस्थायी छूट दी है ताकि भारतीय रिफाइनरियां रूसी कच्चा तेल खरीद सकें। उन्होंने कहा कि यह तेल पहले से समुद्र में मौजूद था और उसकी डिलीवरी रुकी हुई थी। इसलिए अस्थायी तौर पर इस तेल को खरीदने की अनुमति दी गई। उनका कहना है कि इससे दुनिया में तेल आपूर्ति के अस्थायी अंतर को भरने में मदद मिलेगी। क्या इससे रूस को आर्थिक फायदा होगा? अमेरिकी ट्रेजरी सचिव ने कहा कि यह कदम बहुत सीमित समय के लिए है और इससे रूस सरकार को बड़ा आर्थिक फायदा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह अनुमति केवल उस तेल के लिए है जो पहले से समुद्र में फंसा हुआ था। इसका मकसद केवल वैश्विक तेल आपूर्ति में बने अस्थायी अंतर को भरना है ताकि ऊर्जा बाजार में अस्थिरता न फैले। अमेरिका के बयान पर भारत में राजनीति क्यों तेज हुई? अमेरिकी बयान के बाद भारत में राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने अमेरिका को भारत की विदेश और आर्थिक नीति तय करने की छूट दे दी है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भारत को अपनी ऊर्जा नीति स्वतंत्र रूप से तय करनी चाहिए। इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है।

ईरान का बहरीन की सबसे बड़ी तेल कंपनी पर भीषण हमला, ड्रोन से मचा दी तबाही

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान के बीच युद्ध जारी है। इसी बीच ईरान ने बहरीन के सबसे बड़ी तेल कंपनी पर भीषण हमला किया। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान के बीच शुरू हुआ युद्ध तेजी से पूरे क्षेत्र में फैल गया है। 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने कुछ ही दिनों में लेबनान, खाड़ी देशों और वैश्विक ऊर्जा बाजारों तक असर डाल दिया। इसी बीच बहरीन की सरकारी तेल कंपनी ने सोमवार को अपने शिपमेंट के लिए फोर्स मेज्योर की घोषणा कर दी। दरअसल, ईरान के हमले में उसकी रिफाइनरी में आग लग गई थी।

बहरीन की सरकारी समाचार एजेंसी ने अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) की घोषणा की, जो एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसके तहत असाधारण परिस्थितियों के कारण कोई कंपनी अपने संविदात्मक दायित्वों से मुक्त हो जाती है। कंपनी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे क्षेत्रीय संघर्ष और हाल ही में उसके रिफाइनरी परिसर पर हुए हमले से कंपनी के संचालन प्रभावित हुए हैं। कोई हताहत नहीं हुआ उसने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय मांग को अभी भी पूरा किया जा सकता है। बहरीन न्यूज एजेंसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ₹अल मा'मीर में एक सुविधा को निशाना बनाकर की गई ईरानी आक्रामकता के कारण आग लग गई, जिसमें भौतिक क्षति की सूचना मिली है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ है। वहीं, अधिकारियों ने अग्निशमन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

हिरासत में युवक की मौत के आरोप से गरमाई राजनीति, एआईएडीएमके ने सरकार को घेरा; लगाए गंभीर आरोप

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में युवक की मौत पर एआईएडीएमके ने सरकार को घेरा है। पार्टी ने इसे पुलिस प्रताड़ना से हुई मौत बताया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि आरोपी भागते समय पुल से गिरकर घायल हुआ था और इलाज के दौरान उसकी मौत हुई। तमिलनाडु के शिवगंगा में एक 26 साल के युवक की मौत को लेकर राजनीति गरमा गई है। विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके ने राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की है। पार्टी का आरोप है कि पुलिस ने आकाश डेलिसन नाम के युवक को बेरहमी से टॉर्चर किया, जिससे उसकी जान चली गई। एआईएडीएमके ने सोशल मीडिया पर इस घटना को कस्टोडियल डेथ यानी हिरासत में मौत बताया है। पार्टी ने लगाए आरोप पार्टी का कहना है कि आकाश एक इंजीनियरिंग ग्रेजुएट था और अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखता था। पुलिस ने पूछताछ के नाम पर उसे उठाया और बुरी तरह पीटा। पार्टी ने पुलिस के उस दावे को भी झूठा बताया जिसमें कहा गया कि युवक पुल से गिरने की वजह से घायल हुआ था। एआईएडीएमके के अनुसार, यह जंगल में की गई पिटाई को छिपाने का एक बहाना है। पार्टी ने यह भी दावा किया कि आकाश ने मरने से पहले अपनी मां को पुलिस की पिटाई के बारे में बताया था। पुलिस ने आरोपों को किया खारिज दूसरी तरफ, तमिलनाडु पुलिस ने इन आरोपों को खारिज किया है। पुलिस महानिदेशक कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि आकाश डेलिसन एक हिस्ट्री-शीटर था।

तेल संकट के बीच भारत ने बदली आयात रणनीति, अफ्रीका समेत इन देशों से बढ़ाई कच्चे तेल की खरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर बढ़ते खतरे के बीच भारत ने अपनी तेल आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने अब अमेरिका, लैटिन अमेरिका, रूस और पश्चिम अफ्रीका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। इसका उद्देश्य देश में ईंधन की आपूर्ति को स्थिर रखना और किसी संभावित संकट से बचाव करना है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के अनुसार भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी खरीद रणनीति में बदलाव किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड जैसी कंपनियों ने पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लैटिन अमेरिका के साथ-साथ रूस से भी अतिरिक्त कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है। अमेरिका की ओर से रूसी तेल के लिए दी गई 30 दिन की अस्थायी छूट ने भी भारत के लिए तेल आयात का एक नया रास्ता खोल दिया है। गैर-होर्मुज स्रोतों से तेल आयात क्यों बढ़ाया गया? पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार भारत अब ऐसे क्षेत्रों से अधिक तेल खरीद रहा है जो मौजूदा संघर्ष के दायरे से बाहर हैं। इसका असर यह हुआ कि गैर-होर्मुज स्रोतों से आने वाले तेल की

हिस्सेदारी बढ़कर करीब 70 प्रतिशत हो गई है। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा लगभग 60 प्रतिशत था। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, इसलिए आपूर्ति के कई स्रोत बनाए रखना जरूरी माना जा रहा है। भारत के पास अभी कितना तेल भंडार है? पेट्रोलियम मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार देश के पास फिलहाल करीब 14.4 करोड़ बैरल कच्चे तेल का भंडार मौजूद है। यह भंडार लगभग 50 दिनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। इसके अलावा सामरिक पेट्रोलियम भंडार में भी करीब 9.5 दिनों की शुद्ध आयात जरूरतों को पूरा करने लायक कच्चा तेल सुरक्षित रखा गया है। सरकारी कंपनियों के पास कुल कितना भंडार है? सरकारी तेल कंपनियों के पास भी कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का बड़ा भंडार मौजूद है। अधिकारियों के अनुसार इन कंपनियों के पास करीब 64.5 दिनों की शुद्ध आयात जरूरतों के बराबर भंडार है। सामरिक भंडार को जोड़कर देखा जाए तो देश के पास कुल मिलाकर लगभग 74 दिनों की जरूरतों को पूरा करने लायक तेल उपलब्ध है। वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं? ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक तेल बाजार में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी बीच कुवैत ने एहतियात के तौर पर तेल उत्पादन और रिफाइनिंग में कटौती की घोषणा की है। इस स्थिति के कारण एक सप्ताह में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 35 प्रतिशत तक उछाल दर्ज किया गया है।

'युद्ध का कोई उद्देश्य साफ नहीं': पूर्व अमेरिकी NSA ने ईरान से जंग पर जताई चिंता, ट्रंप की रणनीति की आलोचना की

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है। इसी बीच पूर्व अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने कहा कि अमेरिकी सेना कुशल है, लेकिन युद्ध का अंतिम लक्ष्य अस्पष्ट है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह सैनिकों के लिए खतरा है और प्रशासन की रणनीति लगातार बदल रही है। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष अब अपने दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है। इसके बाद भी ये संघर्ष कम होने के बजाय और भयावह रूप लेता नजर आ रहा है। इसी बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के ईरान के साथ युद्ध को लेकर चिंता व्यक्त की है। साथ ही ट्रंप की ईरान के साथ युद्ध नीति की आलोचना भी की है। उन्होंने कहा है कि युद्ध एक स्पष्ट

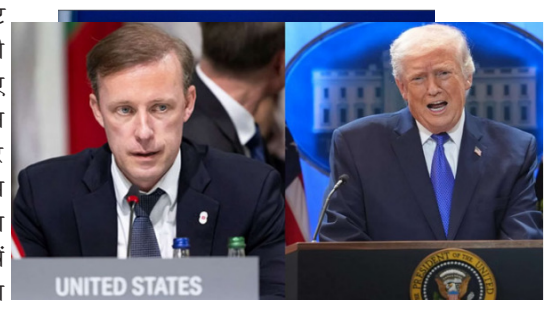

रणनीतिक उद्देश्य के बिना भटक सकता है, भले ही अमेरिकी सैन्य अभियान सामरिक स्तर पर सफल दिख रहे हों। सुलिवन ने सीएनएन के शो 'फरीद जकारिया जीपीएस' में कहा कि अमेरिकी सेना बहुत कुशल, साहसी और पेशेवर है, लेकिन युद्ध का अंतिम उद्देश्य अब भी साफ नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह युद्ध अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है, और अब तक सात सैनिकों की जान जा चुकी है। उनका कहना है कि प्रशासन ने युद्ध के लिए कई अलग-अलग वजहें बताई हैं, लेकिन कोई स्पष्ट रणनीति नहीं है, और यह समय के साथ बदलती रहती हैं। सुलिवन ने आगे कहा कि युद्ध के शुरू आती एक हफ्ते से भी ज्यादा समय बाद अस्पष्ट रणनीति एक गंभीर जोखिम है।

अमेरिकी संसद में एच-1बी प्रतिबंधों को खत्म करने के लिए विधेयक पेश

ट्रंप के फैसले पर सवाल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक सांसद बोनी वॉटसन कोलमैन ने नया विधेयक पेश किया है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा पर लागू किए गए कड़े वेतन और शुल्क नियमों को चुनौती देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा से संबंधित लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक नया विधेयक पेश किया गया है। डेमोक्रेटिक सांसद बोनी वॉटसन कोलमैन ने यह विधेयक पेश कर राष्ट्रपति ट्रंप के उस फैसले को निरस्त करने की मांग की है, जिसमें एच-1बी वीजा पर

काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर सख्त वेतन शर्तें और भारी शुल्क लगाए गए थे। ट्रंप के फैसले और उसका प्रभाव राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर 2025 में एक ऐसे फैसले की घोषणा की थी, जिसके तहत एच-1बी वीजा कर्मचारियों के लिए अनिवार्य वेतन स्तर को काफी बढ़ा दिया गया और ऐसे कर्मचारियों को रखने वाले नियोक्ताओं पर एक लाख डॉलर का शुल्क भी लगाया गया। इस फैसले का उद्देश्य कथित तौर पर अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा करना था। हालांकि, डेमोक्रेटिक सांसद कोलमैन का मानना है कि यह 'अल्पदृष्टि वाली घोषणा' अमेरिकी नियोक्ताओं, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और शोध संस्थानों के लिए बड़ी बाधाएं खड़ी कर रही है। ये संस्थान उच्च कौशल वाले पेशेवरों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। कोलमैन ने जोर देकर कहा कि एच-1बी वीजा प्रोग्राम कभी भी घरेलू वर्कफोर्स का विकल्प नहीं रहा है, बल्कि यह अमेरिकी और वैश्विक प्रतिभा के बीच एक सेतु का काम करता है, जो देश की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करता है। एच-1बी वीजा प्रोग्राम का महत्व एच-1बी वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को उन विशेष क्षेत्रों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जहाँ कुशल श्रमिकों की कमी होती है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।